सोशल मीडिया से जुड़ें
NewsTransportVishesh
YouTube
Digital Edition

# न्यूज ट्रांसपोर्ट विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 1, अंक 96, नई दिल्ली, गुरुवार, 02 फरवरी 2023, पेज 8

NEWS TRANSPORT VISHESH NTV
www.newstransportvishesh.com
सबसे तेज, सबसे पहले
आपको पहुंचाये
परिवहन क्षेत्र की सभी जानकारियां
09212122095
09811732095

03 LG ने छह फरवरी को मेयर चुनाव कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी
05 टोयोटा इन 4 गाड़ियों पर कर रही काम
08 आम बजट से खुश नहीं हैं हिमाचल के सेब उत्पादक

**आज का सुविचार**

ज़िन्दगी बदलने के लिए लड़ना पड़ता है, आसान करने के लिए समझना पड़ता।।

**इनसाइड**

## दिल्ली के लिए देना होगा 43 रुपये अधिक किराया

**सहारनपुर।** अब रोडवेज बसों में सफर करना महंगा होगा। बसों में यात्री किराए में 25 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। जिससे यात्रियों की जेब ढीली होगी। सहारनपुर से देहरादून 18, हरिद्वार 20, दिल्ली 43 और लखनऊ जाने के लिए 158 रुपये वर्तमान किराये से अतिरिक्त देने होंगे। अगले सप्ताह से नई किराये दरें लागू हो सकती है। परिवहन निगम की तरफ से साधारण बसों का किराया बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया था। जिस पर राज्य परिवहन प्राधिकरण ने परिवहन निगम के किराया बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। परिवहन निगम के अधिकारियों का कहना है कि किराये में बढ़ोतरी होने से लाभ मिलेगा। क्योंकि पिछले कई सालों से डीजल सहित स्पेयर पार्ट्स के दाम बढ़े हैं, लेकिन किराये में बढ़ोतरी नहीं हुई थी। किराये में बढ़ोतरी से रोडवेज को प्रति माह करोड़ों रुपये का लाभ पहुंचेगा। सहारनपुर परिवहन निगम परिक्षेत्र में छह डिपो आते हैं। जिनमें सहारनपुर, छुटमलपुर, मुजफ्फरनगर, खतौली, शामली और गंगोह हैं। जिनसे प्रति दिन 60 से 65 लाख रुपये की आय होती है।

# दिल्ली परिवहन आयुक्त के दिशा निर्देश से दिल्ली की जनता के लिए जनहित में आने वाला है बड़ा पैगाम (जनहित या हिटलरशाही)

संजय बाटला

**नई दिल्ली।** 1 फ़रवरी 2023 सुबह सरकारी कार्यालय खुलते ही परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा द्वारा एक बड़ी बैठक की गई और उसमे बुलाए गए सभी खास तौर से परिवर्तन शाखा को दिल्ली में डीजल के 10 साल और पैट्रोल के 15 साल पूरे कर चुके वाहनों को सड़कों / लोगों के घरों और पार्किंग में से उठा कर दिल्ली में पुर्व नियम में किए हुए पंजीकृत स्क्रैप डीलरो के हवाले करने के दिशा निर्देश जारी किए।

दिल्ली में आज की तारिख में कितने डीजल और पेट्रोल वाहन उपरलिखित समय सीमा पूरी कर चुके हैं उनके नम्बर, एड्रेस की जानकारी प्रवर्तन शाखा को तत्काल प्रभाव से उपल्ब्ध करवाने के लिए आईटी ब्रांच को दिशा निर्देश जारी किए हैं।

दिल्ली की जनता जो अपने समय सीमा पूरे करे वाहनों को इलेक्ट्रिक किट लगाकर सड़को पर चलाने के ख्वाब ले रहे थे उस पर पानी फेरने के लिए परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा द्वारा आज का दिशा निर्देश काफ़ी है क्योंकि पहले ही उनके दिशा निर्देश के कारण दिल्ली में एक भी इलेक्ट्रिक किट लगाने वाले ने पंजीकरण नही करवाया और परिवहन आयुक्त का मानना यह भी है की 10 साल में वाहन की बॉडी में कुछ बचता ही नहीं है तो उन्हें सड़कों पर चलने की इजाजत क्यों पर डीटीसी बसों के लिए उनका मत इससे बिलकुल विपरीत है वह देवताओं की तरह अमृत प्राप्त है और किसी भी समय सीमा तक चलवाई जा सकती है।

अब दिल्ली की जनता स्वयं फैसला करे परिवहन आयुक्त द्वारा ज़ारी निर्देश जनहित में है या स्क्रैप डीलरो और नए वाहनों के निर्माताओं के साथ किस का हितकारी या दुसरे शब्दों में कहा जाए हिटलरशाही।

# वित्त मंत्री द्वारा दिए गए बजट को टैक्सी- बस मालिकों और टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स के लिए इस साल के बजट में कोई फायदा नहीं दिए जाने से भारत के टैक्सी बस मालिकों और टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स में रोष

एनटीवी संवाददाता

**नई दिल्ली।** दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन द्वारा दिए गए बजट को टैक्सी- बस मालिकों और टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स के लिए इस साल के बजट में कोई फायदा नहीं दिए जाने से भारत के टैक्सी बस मालिकों और टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स में रोष है. और इसके लिए जल्दी ही ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन श्रीमती निर्मला सीतरामन जी को पत्र लिखकर अपनी मांगे उनके आगे रखेंगे.टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना है की वित्त मंत्री जी बेशक़ भारत में टूरिज्म को बढ़ाने की बात की है लेकिन सच्चाई ये है की हमारी टैक्सी बसों की खरीदारी में कोई भी टैक्स कम नहीं किये है बल्कि डीजल कीBS 6 मानक टैक्सी बसों के खरीदने पर भारी कीमत ली जा रहीं है.

SANJAY SAMRAT
President
9810182147, 9717906644

DELHI TAXI, TOURIST TRANSPORTERS & TOUR OPERATORS ASSOCIATION (Regd.)
(DELHI GOVT. REGISTRATION NO. 46227 FROM 2003)
Regd. Off. : F-16, 1st Floor, Saidulajaab, Near Saket Metro Station, New Delhi- 110030
Ph. : 011-40518321 | Fax : 011-40518321, 958068373
Email : delhitaxi2003@gmail.com

और हमारी BS 4 मानक डीजल टैक्सी-बसों को पर्यावरण के नाम पर बंद करके भारत के टैक्सी -बस वालो को बेरोजगार किया जा रहा है. डीजल पेट्रोल की कीमतों को कम नहीं करके, और GST के दायरे में ना लाकर भारत सरकार की वित्त मंत्री पर्यटन उद्योग को कमजोर कर रहीं है. क्योंकि डीजल पेट्रोल की बड़ी कीमतों से हमारे टूरिस्ट ट्रांसपोटर्स भी पर्यटको से ज्यादा किराया ले रहें है इसकी वजह से पर्यटक ट्रैन में जा रहें है. CNG गैस की कीमत भी कम नहीं की गईं है इसलिए लोग टैक्सीयों में भी सफर नहीं कर रहें है. करोना महामारी की वजह से हमारी 2 साल टैक्सी बसें पार्किंग में खड़ी रहीं. उसके लिए भी भारत के वित्त मंत्रालय ने कुछ नहीं किया. जबकि पेहले टैक्सी बसें खरीदने पर हमें टैक्स में छूट दी जाति थीं और एक्साइज का 16% टैक्स गाड़ियाँ खरीदने के बाद भारत सरकार का वित्त मंत्रालय हमें वापिस करता था.हमारी डीजल की BS 4 मानक की टैक्सी बसों को पर्यावरण के सुधार के नाम पर हमारी इन गाड़ियों को स्क्रीप (कूड़ा) बनाया जा रहा है वो भी पूरे भारत में,हमें जान भुजकर इलेक्ट्रिक मॅहगी टैक्सी बसें खरीदने पर भी मजबूर किया जा रहा है, और सरकार की तरफ से दी जा रहीं सब्सिडी और टैक्स में छूट भी एक तरीके से ऊँट के मुँह में जीरे के सामान है, क्योंकि ये टैक्सी बसें पेहले ही बहुत महंगी है.ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय सम्राट का कहना है की आज का बजट टैक्सी बस मालिकों और टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स के लिए बिलकुल नहीं है.

**संजय सम्राट अध्यक्ष**
**दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन**
**9810182147**
**9717906644**

# संसद में आर्थिक समीक्षा 2022-23 में ईवी के बारे में पेश की गई जानकारी

एनटीवी संवाददाता

**नई दिल्ली।** भारत के इलेक्ट्रिक वाहन बाजार के 2030 तक एक करोड़ इकाई सालाना तक बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही ईवी उद्योग में पांच करोड़ प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने का अनुमान है। संसद में आज दिनांक 31 जनवरी, दिन मंगलवार को पेश आर्थिक समीक्षा 2022-23 में यह जानकारी दी गई है। आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि बिक्री के मामले में भारत पिछले महीने यानी दिसंबर, 2022 में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए तीसरा सबसे बड़ा वाहन बाजार बन गया।इसमें कहा गया है, ''मोटर वाहन उद्योग, हरित ऊर्जा की दिशा में बदलाव में अहम भूमिका निभाएगा।

घरेलू ईवी उद्योग के 2030 तक 49 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ने की उम्मीद है। वहीं 2030 तक वार्षिक बिक्री के एक करोड़ इकाई तक पहुंचने का अनुमान है।" उद्योग का अनुमान है कि पिछले वर्ष के दौरान देश में कुल ईवी बिक्री लगभग 10 लाख इकाई रही।आर्थिक समीक्षा में यह भी कहा गया है, ''ईवी उद्योग 2030 तक पांच करोड़ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित करेगा। सरकार ने इस क्षेत्र को समर्थन के लिए कई कदम उठाए हैं।'' समीक्षा में कहा गया है कि वाहन क्षेत्र का देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.1 प्रतिशत का हिस्सा है। विनिर्माण जीडीपी में क्षेत्र का हिस्सा 49 प्रतिशत है। 2021 के अंत तक इस क्षेत्र में 3.7 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ था।

Infra के लिए 75 हजार करोड़ का फ़न्ड पास किया गया ओर साथ ही 50 नए ऐर्यपोर्ट के निर्माण के बारे में बताया गया लेकिन जो ओला उबेर से परेशान चालको के बारे में ओर पेट्रोल CNG के दामो ओर विदेशी कंपनियों की तानाशाही के लिए कोई राहत नहीं देश वासीयो को हमारे बारे में कुछ भी नहीं सोचा गया।

लोन की छुट किसान भाईयो को दी गई है लेकिन हम ड्राईवर जिनका गाड़ी चलेगी तो घर में रोटी पकेगी हमे भी लोन मे छुट मिलनी चाहिए लेकिन हमारे बारे में सोचा नही गया..

**कमल जीत गिल (अध्यक्ष)**
**सर्वोदय ड्राईवर ऐशोसिऐशन ओफ़ दिल्ली . फोन 8076894480, 9910871947**

# रेलवे में निजीकरण को दिया जाएगा बढ़ावा, नई ट्रेनों और सुविधाओं पर खर्च होंगे 2.40 लाख करोड़ रुपये

एनटीवी संवाददाता

**नई दिल्ली।** रेलवे सेक्टर के लिए 2.40 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। अब तक का यह सर्वाधिक परिव्यय, वित्त वर्ष 2013-14 में किए गए परिव्यय का लगभग नौ गुना है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज वित्त वर्ष 2023-24 का बजट पेश किया। अन्य सेक्टर की तरह बजट में रेलवे क्षेत्र के लिए भी कई अहम एलान किए गए। वित्त मंत्री ने भाषण में कहा कि बजट में रेलवे के लिए 2.40 लाख करोड़ रुपए के पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है। अब तक का यह सर्वाधिक परिव्यय, वित्त वर्ष 2013-14 में किए गए परिव्यय का लगभग नौ गुना है।

बजट में रेलवे सेक्टर में निजी भागेदारी बढ़ाने की बात कही गई है। इसके जरिए रेलवे के तहत सड़कों, शहरी बुनियादी ढांचे और बिजली जैसे ढांचागत विकास में मदद मिलेगी। वहीं रेलवे सेक्टर के लिए 2.40 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। सरकार आने वाले समय में वंदे भारत और हाइड्रोजन ट्रेन जैसी कई ट्रेनों के संचालन में खर्च करेगी। यात्री सुविधाओं के लिए भी खर्च किए जाने का प्रावधान किया गया है।

**ये हैं रेलवे सेक्टर के लिए अहम घोषणाएं**

- रेलवे सेक्टर में 2.4 लाख करोड़ खर्च होंगे
-रेलवे में निजी क्षेत्र की भागेदारी होगी
-रेलवे की पटरियों के नवीकरण में 17297 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे
-रेलवे सुरक्षा निधि में 45000 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए जाएंगे

**2023-24 में मुशाफिरों से रेलवे को 70 हजार करोड़ की कमाई का अनुमान**

बजट में रेलवे ने अपने आय और व्यय का ब्यौरा भी उपलब्ध कराया है। इसने 2023-24 बजट में यात्रियों से 70 हजार करोड़ रुपए की कमाई का अनुमान लगाया है जोकि पिछले बजट सत्र में 64 हजार करोड़ था। वहीं मॉल धुलाई से इस साल 1.79 लाख करोड़ रुपए की कमाई होने का अनुमान है जो पिछले बजट सत्र में 1.65 लाख करोड़ था।

**पिछले बजट में रेलवे को कौन सी सौगातें मिली थीं?**

वित्त वर्ष 2022-23 का आम व रेलवे बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान का एलान किया था। उन्होंने कहा था कि रेलवे 100 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल भी बनाएगा। अगले तीन सालों में इनका निर्माण होगा। इसमें हुई प्रगति की बात करें तो अब तक 15 गति शक्ति मल्टी-मॉडल कार्गो टर्मिनल' (जीसीटी) चालू किए जा चुके हैं और

जीसीटी के विकास के लिए लगभग 96 और स्थानों की अनंतिम रूप से पहचान की गई है। उद्योग की मांग और कार्गो यातायात की क्षमता के आधार पर जीसीटी के स्थान तय किए जा रहे हैं। रेल मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक, जीसीटी के सभी नए प्रस्ताव केवल ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त किए जाएंगे। दिसंबर 2022 तक 67 नए प्रस्तावों के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति जारी की जा चुकी है।

**'एक स्टेशन, एक उत्पाद' योजना**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले बजट में कहा था कि रेलवे छोटे किसानों और छोटे व मध्यम उद्यमों के लिए नए उत्पादों के लिए परिवहन का ढांचा विकसित करेगा। स्थानीय उत्पादों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' योजना शुरू करने का एलान भी हुआ था। रेल मंत्रालय ने भारत सरकार के 'लोकल के लिए वोकल' विजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' योजना (OSOP) योजना शुरू की गई थी। भारतीय रेलवे पर योजना का पायलट 25 मार्च 2022 को शुरू किया गया था और वर्तमान में 535 स्टेशनों को 572 ओएसओपी आउटलेट हैं। योजना के तहत, रेलवे स्टेशनों पर OSOP आउटलेट्स को स्वदेशी/स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करने, बेचने का प्रावधान है। योजना के उद्देश्यों को पूरा करने वाले सभी आवेदकों को रोटेशन के आधार पर आवंटन किया जाता है।

"रेलवे छोटे किसानों और मीडियम और स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज के लिए नए प्रोडक्ट और कुशल लॉजिस्टिक्स सर्विस डवलप करेगा।"

# रेल मंत्री वैष्णव बोले- तीन साल में 400 नई वंदे भारत ट्रेन दौड़ेंगी, रुके हुए प्रोजेक्ट्स होंगे शुरू

एनटीवी संवाददाता

**जयपुर।** केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केंद्रीय बजट 2023-24 पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे रेलवे में विकास का बजट बताया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अश्विनी वैष्णव जयपुर में भी रेलवे मुख्यालय से लाइव जुड़े।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि अगले 3 साल में 400 नई वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट में इसकी घोषणा की है। साथ ही रेलवे छोटे किसानों और मीडियम और स्मॉल स्केल इंडस्ट्रीज के लिए नए प्रोडक्ट और कुशल लॉजिस्टिक्स सर्विस डवलप करेगा। डॉमेस्टिक प्रोडक्ट्स की सप्लाई चैन बढ़ाने के लिए 'एक स्टेशन, एक उत्पाद' स्कीम शुरू की जाएगी। जो देश के विकास को गति देगा। भारतीय रेलवे की गति के लिए 100 गतिशक्ति कार्गो की भी प्लानिंग है।

**अगस्त-सितंबर 2023 से हर महीने 7-8 वंदे भारत ट्रेन फैक्ट्री से निकलने लगेंगी**

रेल मंत्री वैष्णव बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा- बजट में रेलवे को 1,37,000 करोड़ रुपए का कैपिटल निवेश का सहयोग मिला है। इससे रेलवे की कई सालों से रुकी हुईं परियोजनाएं फिर से शुरू हो सकेंगी। अभी वंदे भारत ट्रेन का पहला वर्जन चल रहा है, अब उसका दूसरा वर्जन भी आ रहा है, जिसका प्रोडक्शन किया जा रहा है। अप्रैल से वंदे भारत ट्रेन के दूसरे वर्जन की टेस्टिंग शुरू हो जाएगी और अगस्त-सितंबर 2023 से हर महीने 7-8 वंदे भारत ट्रेन फैक्ट्री से निकलने लगेंगी। फिलहाल पहले वर्जन में वंदेभारत ट्रेन की स्पीड 180 किलोमीटर प्रति घंटा है। बजट में इसकी अलग जेनरेशन तैयार करने का टारगेट दिया गया है।

**निवेश की वजह से अटके प्रोजेक्ट्स पूरा करने में मदद मिलेगी**

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से संसद में पेश बजट में रेलवे के लिए भी कई बड़ी घोषणाएं की गई हैं। आम बजट में रेलवे की घोषणाओं पर रेल मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा- रेलवे के लिए अभूतपूर्व निवेश की बजट में मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे के सबसे महत्वपूर्ण प्वाइंट्स को बजट में शामिल किया, उनका भी आभार है। निवेश के कारण हमारे कई प्रोजेक्ट्स रुके हुए थे, जिन्हें पूरा करने में अब मदद मिलेगी। रेलवे स्टेशन के लिए एक अच्छा ब्लूप्रिंट तैयार है और 12 हजार करोड़ रुपए 3 महीने पहले ही मंजूर कर दिए गए थे, जिसे यह बजट आगे लेकर जाने वाला है।

**'कवच' भारत में डवलप हुई वर्ल्डक्लास टेक्नोलॉजी**

रेल मंत्री ने कहा-'कवच' भारत में ही डवलप हुई एक वर्ल्डक्लास टेक्नोलॉजी है। बजट भाषण में वित्त मंत्री सीतारमण ने इसे जगह दी है। देश में इस तकनीक को डवलप करके दुनियाभर में एक्सपोर्ट करने का टारगेट लेना चाहिए। जिन देशों में बहुत अच्छा रेलवे नेटवर्क है, वहां इस टेक्नीक को हमें एक्सपोर्ट करना होगा।

**RRB-NTPC विवाद पर बोले-कैंडिडेट्स की समस्याओं का हम समाधान करेंगे**

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड (RRB) की नॉन टेक्निकल पॉपुलर कैटेगरी (NTPC) परीक्षा के रिजल्ट को लेकर चल रहे विवाद पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा- रेलवे एक स्थिर और दीर्घकालिक संस्थान है। इसमें लोग नौकरी करना चाहते हैं। हमने RRB-NTPC परीक्षा की साल 2019 में घोषणा की थी। इस परीक्षा के लिए TCS कंपनी को नियुक्त किया गया था। कोविड महामारी के बाद भी हमने ट्रांसपरेंसी से परीक्षाएं करवाई हैं। कैंडिडेट्स को कुछ समस्याएं आई थीं, उनका हम सॉल्यूशन करेंगे।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

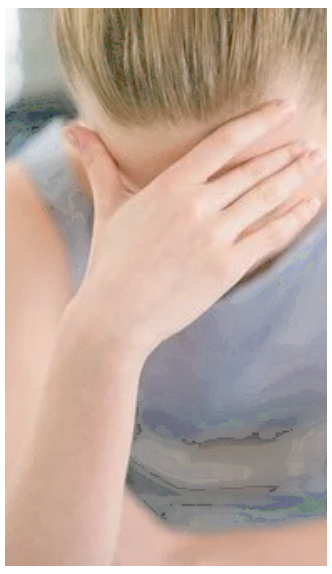

## गृहणियों में बढ़ रहा है मेंटल स्ट्रेस, एक्सपर्ट्स ने बताया खुश रहने का तरीका

बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है. ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं.

पूरे घर को संभालने वाली (गृहणी/हाउसवाइफ) हमारी मां या पत्नी घर के हर एक सदस्य की जरूरत का ख्याल रखती हैं. उनका पूरा दिन घर की चार दीवारी में ही शुरू होता है और उसी में खत्म हो जाता है. सुबह से रात तक उनकी यही कोशिश रहती है कि किसी भी सदस्य को घर में कई तकलीफ न हो. ये सब वो किसके लिए करतीं हैं? अपने परिवार के लिए, परिवार की खुशियों के लिए. फिर जब कभी वो जरा गुस्सा हो जाती हैं, तो हम उन्हें गलत समझने लगते हैं. लेकिन क्या कभी सोचा है कि वो भी कितनी तरह के तनाव से जूझ रही है? उनकी मेंटल हेल्थ के बारे में कभी बात की है? ओनली माई हेल्थ की न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है. ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं. इस रिपोर्ट में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (Clinical Psychologist) डॉ. प्रज्ञा मलिका (Dr. Pragya Malika) का कहना है कि हाउसवाइफ में तनाव कई वजहों से होता है. ऐसी स्थिति में वे अकेले रहने लग जाती हैं. परिवार में जब कॉन्फ्लिक्ट्स (झगड़े और विवाद) बढ़ते हैं तो वे एडजस्टमेंट की ओर जाते हैं. जब ये मुद्दे हल नहीं हो पाते तो सुसाइड, तलाक या अन्य मेंटल डिसऑर्डर (Mental Disorder) में बदल जाते हैं. इसे ही दुष्चक्र या विशियस साइकल (Vicious Cycle) कहते हैं. डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ इन तरीकों को अपनाकर खुश रह सकती हैं.

### अपनी हॉबीज को करें याद

डॉ प्रज्ञा का कहना है कि अक्सर महिलाएं घर के काम में उलझकर अपनी हॉबीज (शौक) को भूल जाती हैं. जब ये निराशा या कुंठा बढ़ने लग जाए, तो अपने हुनर को याद करें. वो काम जिसे आप पूरे मजे के साथ करते थे, वो दोबारा करें. खुद सोचें कि आपको क्या करने में अच्छा लगता है. ऐसा करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा.

### परेशानी का कारण ढूंढे

डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ को ये देखना पड़ेगा कि उन्हें परेशानी किस बात से हो रही है. जब परेशानी की वजह मालूम हो जाए, तब उस पर काम करें. उस परेशानी को मैनेज करें. दरअसल, महिलाओं की टेंशन की एक वजह ये भी है कि महिला और पुरुष का दिमाग थोड़ा अलग तरह से काम करता है. जैसे महिलाएं इमोशनल होकर सोचती हैं और पुरुष लॉजिस्टिक तरीके से सोचते हैं.

### नए दोस्त बनाएं

हाउसवाइफ अपने स्ट्रेस को कम करने के लिए नए दोस्त बना सकती हैं. अपने घर के आसपास, रिश्तेदारों में या स्कूल-कॉलेज के दोस्तों के संपर्क में रहें और उनसे बात करते रहना भी कई बार इस स्ट्रेस से निकलने में मदद करता है.

### अपने लिए टाइम निकालें

एक हाउसवाइफ होने के नाते आप क्या चाहती हैं? हाउसवाइफ होने के नाते आपके कुछ सपने होते हैं. तो यहां उन्हें सोचने की जरूरत है कि आप क्या चाहती हैं. खुद को खुश रखने के लिए अपना मी टाइम निकालें.

### कुछ चीजों को हालात पर छोड़ दें

डॉ. प्रज्ञा का कहना है कि जिस सिचुएशन में आप कुछ कर नहीं सकतीं. जो हालात आपके बस से बाहर हैं, तो उन पर न सोचें.

# काफी कोशिशों के बाद भी नहीं बढ़ रहा है वजन, महिलाएं फॉलो करें ये टिप्स, तेजी से होगा वेट गेन

## कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजें खाकर महिलाएं आसानी से वेट गेन कर सकती हैं

दुबली-पतली महिलाएं आमतौर पर वेट गेन करने के लिए अनगिनत नुस्खे आजमाती हैं, मगर हेल्दी डाइट फॉलो करने के बावजूद भी कई बार वजन नहीं बढ़ पाता है. ऐसे में कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स का सेवन महिलाओं के लिए बेस्ट हो सकता है.

स्लिम एंड ट्रिम लुक कैरी करने के लिए महिलाएं कई तरीके अपनाती हैं. इसके बावजूद कुछ महिलाएं मोटापे का शिकार होने लगती हैं. तो वहीं कुछ महिलाएं ऐसी भी होती हैं, जो अपने दुबलेपन को लेकर परेशान रहती हैं. अगर आपका वजन काफी कम है तो कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स लेना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है. इन चीजों को डाइट में शामिल करके आप आसानी से वेट गेन (Weight gain tips) कर सकती हैं.
पतली और दुबली महिलाएं अक्सर अपने फिगर को लेकर टेंशन में रहती हैं. वहीं पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने के बाद भी कई बार महिलाओं का वजन बढ़ने का नाम नहीं लेता है. ऐसे में कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स का सेवन आपको वेट गेन करने में मदद कर सकता है. तो आइए ओन्लीमाईहेल्थ डॉट कॉम के अनुसार, जानते हैं वजन बढ़ाने के कुछ आसान टिप्स, जिसे फॉलो करके महिलाएं खुद को फिट और हेल्दी रख सकती हैं.

### प्रोटीन का सेवन करें

नेचुरल तरीके से वजन बढ़ाने के लिए प्रोटीन को बॉडी का बेस्ट सप्लीमेंट माना जाता है. खासकर प्लांट बेस्ड प्रोटीन में शुगर और फैट भरपूर मात्रा में मौजूद रहता है, जिससे मसल्स बिल्डिंग में काफी मदद मिलती है और शरीर का मेटाबॉलिज्म रेट बढ़ने लगता है. ऐसे में आप पनीर, फुल क्रीम मिल्क, दही और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल कर सकती हैं. साथ ही चिकन, अंडा, लाल मीट, मिल्क पाउडर और प्रोटीन पाउडर जैसी चीजों से आप आसानी से वेट गेन कर सकती हैं.

### फैट रिच डाइट लें

वजन बढ़ाने के लिए महिलाएं फैट से भरपूर चीजों को भी डाइट में एड कर सकती हैं. ऐसे में घी, मक्खन, नट्स और गुड फैट से भरपूर चीजों का सेवन करना महिलाओं के लिए बेस्ट होता है. इससे शरीर में कैलोरी की मात्रा बढ़ती है और महिलाओं के वजन में भी इजाफा देखने को मिलने लगता है.

### कार्बेहाइड्रेट युक्त चीजें खाएं

कार्बेहाइड्रेट से भरपूर चीजें बॉडी में कैलोरी इन टेक को बढ़ावा देती हैं. जिससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है. ऐसे में वेट गेन करने के लिए महिलाएं आलू, शकरकंद, ओट्स, ग्रेन और ब्राउन राइस का सेवन कर सकती हैं. वहीं घी और बटर से युक्त चीजें खाने से भी वेट गेन फास्ट होने लगता है.

### वजन ना बढ़ने के कारण

महिलाओं में वजन ना बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं. दरअसल कई बार महिलाओं के शरीर में न्यूट्रिएंट्स पूरी तरह से एब्जॉर्ब नहीं हो पाते हैं, जिसके चलते हेल्दी डाइट लेने के बावजूद महिलाओं के शरीर में पोषक तत्वों की कमी देखने को मिलती है और उनका वजन कम रहता है. इसके अलावा इंफ्लेमेटरी डिजीज, ऑटोइम्यून डिजीज और हाइपोथायरॉयडिजम के चलते भी महिलाओं का वजन नहीं बढ़ता है.

## पुरुषों की तुलना में महिलाओं में हो जाती है इन विटामिंस की कमी

पुरुषों की तुलना में अक्सर ये देखा जाता है कि महिलाओं में आयरन, फॉलिक एसिड, विटामिन डी, विटामिन बी12 जैसे जरूरी तत्वों की कमी हो जाती है. अगर महिलाएं खुद की सेहत का ख्याल रखें तो प्रेगनेंसी या मेनोपॉज के दौरान समस्याओं से बच सकती है. आइए जानते हैं कि किन विटामिन की कमी महिलाओं में अक्सर देखने को मिलती है.

अक्सर महिलाओं की ये शिकायत रहती है कि रात भर सोने के बावजूद थकान महसूस करती हैं या उन्हें हर वक्त कमजोरी का अनुभव होता है. इन समस्याओं को वे लंबे समय तक नजरअंदाज करती जाती हैं जो आगे चलकर बड़ी बीमारियों की वजह बन जाता है. अगर महिलाएं अपनी सेहत का ध्यान रखें और शरीर में विटामिन्स और मिनरल्स की कमी की आपूर्ति के लिए हेल्दी डाइट लें तो जीवन भर हेल्दी जीवन जी सकती हैं.

वुमनहेल्थ के मुताबिक, दरअसल, अच्छे स्वास्थ्य के लिए शरीर को विटामिन और खनिजों की आवश्यकता पड़ती है. हर विटामिन और मिनरल्स के अपने अलग फायदे हैं जो शरीर के अलग अलग कामों को पूरा करने में मदद करते हैं. लेकिन कई वजहों से महिलाओं में पुरुषों की तुलना में कुछ खास तरह के विटामिन और खनिजों की कमी पाई जाती है. यहां हम आपको बता रहे हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को किन विटामिन की कमी हो जाती है और वे किस तरह इन्हें पूरा कर सकती हैं.

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इन विटामिन्स की हो जाती है कमी

### फॉलिक एसिड या विटामिन बी9

फॉलिक एसिड शरीर में ब्लड सेल्स बनाने और डीएनए क्रिएट करने का काम करता है. यह भ्रूण के बेहतर विकास के लिए बहुत जरूरी है. इसकी कमी से प्रीमेच्योर बर्थ या जन्म के समय कम वजन होने का खतरा हो सकता है. ऐसे में प्रेग्नेंट महिलाओं को रोजाना 400 से 800 एमसीजी फॉलिक एसिड डायटरी सेप्लीमेंट के रूप में दिया जाता है. इसकी आपूर्ति के लिए आप हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, अनाज, नट्स, चिकन आदि का नियमित सेवन करें.

### विटामिन बी12

विटामिन बी12 ब्लड सेल्स और ब्रेन न्यूरॉन बनाने का काम करता है. यह भी प्रेगनेंसी में जरूरी होता है. इसके अलावा जो महिलाएं शाकाहारी हैं और जिनकी उम्र 50 से अधिक है उन्हें विटामिन बी12 की कमी हो सकती है. इसके लिए आप मिल्क, अंडा, चीज, चिकन, लीवर आदि डाइट में शामिल कर सकती हैं.

### विटामिन डी

शरीर में कैल्शियम के अवशोषण के लिए विटामिन डी जरूरी होता है. यह इम्यूनिटी को भी बढ़ाता है. जबकि सूरज की रौशनी से स्किन का डायरेक्ट संपर्क ना होने की वजह से महिलाओं में विटामिन डी की काफी कमी पाई जाती है. इसके लिए आप सेप्लीमेंट का इस्तेमाल कर सकती हैं.

### कैल्शियम

लड़कियों को ग्रोइंग एज में जहां 1300 एमजी कैल्शियम की जरूरत होती है, वहीं मेनोपॉज के बाद 1200 एमजी कैल्शियम की जरूरत होती है. लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाओं में इसकी कमी पूरी नहीं हो पाती. इसके लिए आप कैल्शियम रिच फूड का सेवन करें और सेप्लीमेंट का सेवन करें.

### आयरन

महिलाओं में आयरन की कमी की समस्या भी काफी आम है. जिस वजह से उनके शरीर में ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है और ऑक्सीजन सप्लाई सही तरीके से ना हो पाने के कारण कमजोरी, चक्कर आना जैसी समस्या होने लगती है. ऐसे में आप आयरन रिच चीजों को डाइट में शामिल करें.

# अपनी बेटियों को करें प्रोत्साहित आत्मविश्वास भरना बेहद आवश्यक

आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

कहते हैं कि बेटियां अपने माता-पिता के लिए बेहद ख़ास होती हैं। जितनी वो खास होती हैं उतनी ही ख़ास उनकी देखभाल भी होती है। जैसे-जैसे बेटियां बड़ी होती जाती हैं, वैसे-वैसे उनके प्रति माता-पिता की जिम्मेदारी भी बढ़ती जाती है। बात अगर पुराने जमाने की करें तो पहले घर-परिवार में बेटियों के पैदा होने पर उन्हें शगुन और साक्षात देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता था। लेकिन आज के समय में भी बेटियां अपने आत्मविश्वास से ऊंचे से ऊंचा आसमान छूने की प्रतिभा रखती हैं। आज के समय में उनका दर्जा लड़कों से कम नहीं है। ये सब कुछ उनके माता-पिता की परवरिश का नतीजा होता है, जिससे उनका सिर गर्व से ऊपर उठता है। बहुत से माता-पिता होते हैं जो अपने बच्चों की तरक्की देखना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि उनकी बेटी हर दिशा में आगे बढ़े, चाहे वो कोई भी काम क्यों ना हो। यदि आप के घर में भी बेटी है तो आज का ये लेख खास आपके लिए है, जिसके जरिये हम आपको बताएंगे कि कैसे आप उसकी सही तरीके से परवरिश करें जिससे वो आत्मविश्वास से भरी रहे। तो चलिए फिर शुरू करते हैं।

**1. बेटी को करें प्रोत्साहित**–जब बेटी बड़ी होती है, तो उसकी जरूरतें भी अल्फ होती चली जाती हैं। आप उसे जमीन से जुड़े रहना सिखाएं। अगर वो आगे बढ़ाने के लिए अपने भविष्य को लेकर कुछ चुनाव करती है तो उसे हताश ना करें। उसका साथ दें। एक बच्चे के लिए उसके माता-पिता का साथ बेहद जरूरी होता है। आप उसे प्रोत्साहित करें। ताकि उसके अंदर का आत्मविश्वास कम ना हो।

**2. बेटी की करें तारीफ**– आप अपनी बेटी को बताएं की वो दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की है। उसके अंदर कोई भी कमी नहीं है। उकसे अंदर ऐसी बात है जो उसे बाकियों से जुदा बनाती है। इससे बिटिया का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा।

**3. सीखने का दें अवसर**—अगर बेटी को संगीत या किसी भी तरह की एक्टिविटी में इन्ट्रेस्ट हैं लेकिन वो इन में फिट नहीं बैठते। ऐसे में अगर आप उसका साथ नहीं देंगे तो उसका मनोबल टूटता चला जाएगा। उसे सीखने का अवसर जरुर दें। उसे अपनी असल प्रतिभा धीरे-धीरे खुद समझ आएगी और वो आगे बढ़ेगी।

**4. बेटी को सिखाएं समाजिकता**—बेटी को समाज और उससे जुड़ी बातों के बारे में सिखाएं। उसे सिखाएं कि अगर उससे कोई दोस्ती नहीं करता तो उसका क्या कारण हो सकता है। समाज के प्रति उसके अंदर नकारात्मकता ना भरें। वरना एक समय के बाद वो समाज को नकारात्मक नजरिये से देखने लगेगी। उसे सभी पहलुओं के बारे में जरुर सिखाएं।

**5. बढाएं बेटी की क्षमता**–अगर आपकी बेटी अपना होमवर्क कर रही है तो यूं ही उसकी मदद ना करें। वो जब तक आपसे मदद नहीं मांगती तब तक उसकी मदद मत करें। उसे उसकी क्षमता के अनुसार काम करने दें। उसे अपने दम में हमेशा आगे बढ़ने के लिए ही प्रोत्साहित करें।

**6.ना थोपें अपनी मर्जी**– आज के समय में बेटियां स्पोर्ट्स को ज्यादा पसंद कर रही हैं, और उसी में अपना भविष्य भी तय कर रही हैं। अगर वो एक जिमनास्टिक बनना चाहती है या फुटबॉल खेलना चाहती है तो उसे आगे बढ़ने दें, ना की अपना फैसला या अपनी चाह उसपर थोपें। आप ये जरुर पता लगा सकते हैं, कि वो किस खेल को खेलने के लिए ज्यादा सक्षम है। आप खुद उसके लिए कोई खेल तय ना करें।

**7. मत बनाइए कमजोर**—आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

**8. सेक्सिज्म के लिए करें तैयार**– बहुत लोगों की सोच है कि बेटियां वो काम नहीं कर सकती जो बेटे कर सकते हैं। अगर आप अपनी बेटी को वो टीवी शो या फ़िल्में देखते हुए नोटिस करते हैं जो पूरी गर्ल्स पर आधारित होती है तो उसे समझिये और उसे सेक्सिज्म के लिए तैयार करें।

**9. बेटी को दिखाएं रोल मॉडल**– अक्सर ऐसा होता है जब भी आप कोई न्यूज़ देखते या पढ़ते हैं तो उसमें आपको कई महिलाएं सीनेटरी, खिलाड़ी, चिकित्सक या एथलीट दिखेंगी। ये अच्छा तरीका होता है अपनी बेटी को इन महिलाओं के बारे में दिखाना और समझाना। आप इम्नें से कोई भी अपनी बेटी के लिए रोल मॉडल चुनने में उसकी मदद कर सकते हैं।

तो ये कुछ ऐसी खास टिप्स हैं, जिनकी मदद से आप अपनी बिटिया को अच्छी परवरिश देने के साथ उसमें आत्मविश्वास भर सकते हैं। अगर आपकी भी बेटी है तो आप हमारी बताई हुई टिप्स को जरुर आजमाएं। आपको इससे बेहतर परिणाम मिलेगा।

# LG ने छह फरवरी को मेयर चुनाव कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी; दो बार हंगामे की भेंट चढ़ चुकी बैठक

## इस संबंध में मौखिक तौर पर जानकारी मिलने के बाद एमसीडी ने सदन की बैठक की तैयारी शुरू कर दी है।

एनटीवी संवाददाता

उपराज्यपाल ने एमसीडी की स्थगित पहली बैठक आयोजित करने के लिए डिप्टी सीएम और सीएम द्वारा प्रस्तावित छह फरवरी को मंजूरी दे दी है।

**नई दिल्ली।** उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बुधवार को सदन की बैठक बुलाने के आदेश जारी किए। हालांकि, बैठक बुलाने के संबंध में अभी एमसीडी के पास आदेश की प्रति नहीं पहुंची है। सूत्रों के अनुसार उपराज्यपाल ने छह फरवरी को सदन की बैठक बुलाने का आदेश दिया है। इस संबंध में मौखिक तौर पर जानकारी मिलने के बाद एमसीडी ने सदन की बैठक की तैयारी शुरू कर दी है।

**आज भेजी जाएगी सदस्यों को सूचना**

एमसीडी के अनुसार बृहस्पतिवार को सभी सदस्यों के पास बैठक की सूचना भेजी जाएगी। इसके अलावा वह महापौर, उपमहापौर व स्थायी समिति के छह सदस्यों के चुनाव के लिए बैलट पेपर छपवाने का कार्य करेगी। पार्षदों को शपथ दिलाने, महापौर, उपमहापौर व स्थायी स्थायी समिति के छह सदस्यों का चुनाव कराने के लिए छह जनवरी को सदन की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में मनोनीत पार्षदों को पहले शपथ दिलाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने हंगामा कर दिया था। इस कारण बैठक में कोई कामकाज नहीं हो सका था। इसके बाद उपराज्यपाल ने 24 जनवरी को सदन की बैठक बुलाने के आदेश दिए। इस बैठक में भाजपा ने आप पार्षदों पर सांसद गौतम गंभीर पर टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। इस दिन केवल पार्षदों को ही शपथ दिलाई जा सकी थी।

**सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई**

इस बीच आप की महापौर की उम्मीदवार शैली ओबराय ने सदन की बैठक में चुनाव नहीं होने के मामले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे दी। सुप्रीम कोर्ट में उनकी याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होगी। उनके याचिका दायर करने के तीन दिन बाद एमसीडी ने सदन की बैठक बुलाने की प्रक्रिया आरंभ कर दी। एमसीडी ने 10 फरवरी को बैठक बुलाने का प्रस्ताव उपराज्यपाल के पास भेजा था, लेकिन दिल्ली सरकार ने तीन, चार व फरवरी में से किसी एक दिन सदन की बैठक बुलाने का प्रस्ताव भेजा। इस तरह उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार के प्रस्ताव के मुताबिक छह फरवरी को सदन की बैठक बुलाने के निर्देश दिए है।

**भाजपा चुनाव के लिए तैयार, आप डरी : सचदेवा**

प्रदेश भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना के छह फरवरी को एमसीडी सदन की बैठक बुलाने के निर्णय का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि महापौर, उपमहापौर व स्थायी समिति के छह सदस्यों के चुनाव से भाजपा को डर नहीं है, जबकि आम आदमी पार्टी इस बार भी चुनाव नहीं होने देगी। उसने दो बार छह एवं 24 जनवरी को सदन की बैठक में हिंसा और हंगामा करके चुनाव नहीं होने दिया। दरअसल उसके पार्षद दल में मतभेद है। इस कारण वह चुनाव टलवाने में लगी हुई है।

## सदन की बैठक में हंगामे के लिए भाजपा के पार्षदों को ठहराया जिम्मेदार

**नई दिल्ली।** एमसीडी ने बीते 24 जनवरी को सदन में महापौर, उपमहापौर व स्थायी समिति के छह सदस्यों का चुनाव नहीं होने के लिए भाजपा पार्षदों को कठघरे में खड़ा किया है। एमसीडी ने सदन की बैठक में हंगामा के संबंध में दिल्ली सरकार के माध्यम से उपराज्यपाल को भेजी रिपोर्ट में भाजपा पार्षदों को जिम्मेदार ठहराया है। एमसीडी ने कहा है कि पार्षदों को शपथ दिलाने के बाद भाजपा के पार्षदों ने हंगामा किया। इस कारण सदन में कामकाज ठप होने की नौबत आने पर पीठासीन अधिकारी को बैठक स्थगित करनी पड़ी। सूत्रों के अनुसार एमसीडी ने बैठक के संबंध में उपराज्यपाल को बिंदुवार रिपोर्ट भेजी है। एमसीडी ने रिपोर्ट में पीठासीन अधिकारी पर कोई सवाल नहीं खड़ा किया है, वहीं आप सदस्यों को भी हंगामा के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया है। एमसीडी ने रिपोर्ट में लिखा है कि पीठासीन अधिकारी सत्या शर्मा ने पार्षदों को शपथ दिलाने के बाद कार्यसूची के तहत महापौर का चुनाव कराने की तैयारी के निर्देश दिए और उन्होंने कुछ पल के लिए बैठक स्थगित कर दी। इसी बीच दोनों पक्षों के पार्षद अपने नेताओं व दलों के नारे लगाने शुरू कर दिए। पीठासीन अधिकारी ने आने पर आप के पार्षद शांत होकर अपनी सीटों पर बैठ गए, लेकिन भाजपा पार्षद शांत नहीं हुए और वे आप पार्षदों पर गाली देने का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करते रहे। इस दौरान सदन की कार्यवाही नहीं चल सकी और पीठासीन अधिकारी ने 15 मिनट तक बैठक स्थगित कर दी। पुनः बैठक शुरू होने के दौरान भी भाजपा पार्षद शांत नहीं हुए और वे आप पार्षदों पर गाली देने का आरोप लगाते रहे। इस कारण पीठासीन अधिकारी ने सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया।

## केजरीवाल ने बजट को बताया महंगाई बढ़ाने वाला, बोले- बेरोजगारी दूर करने की कोई ठोस योजना नहीं

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा है कि इस बजट में महंगाई से कोई राहत नहीं मिलने वाली, उल्टे इस बजट से महंगाई बढ़ेगी। साथ ही उन्होंने बेरोजगारी के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को घेरा है।

**नई दिल्ली।** लोकसभा चुनाव से ठीक एक साल पहले पेश हुए आम बजट में मध्यम वर्ग, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को साधने की कोशिश की गई है। टैक्स स्लैब में भी बदलाव किया गया है। नए टैक्स स्लैब के मुताबिक सात लाख रुपये तक की आय वालों को अब कोई टैक्स नहीं देना होगा। वहीं बजट पेश होने के बाद नेताओं और राजनीतिक पार्टियों की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं। इसी क्रम में दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस बजट को महंगाई बढ़ाने वाला बताया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर लिखा है कि इस बजट में महंगाई से कोई राहत नहीं मिलने वाली, उल्टे इस बजट से महंगाई बढ़ेगी। साथ ही उन्होंने बेरोजगारी के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार को घेरा है। कहा कि बेरोजगारी दूर करने की कोई ठोस योजना नहीं है। शिक्षा बजट घटाकर 2.64% से 2.5% करना दुर्भाग्यपूर्ण है। साथ ही स्वास्थ्य बजट घटाकर 2.2% से 1.98% करना हानिकारक बताया है।

इस बजट में महंगाई से कोई राहत नहीं। उल्टे इस बजट से महंगाई बढ़ेगी

बेरोज़गारी दूर करने की कोई ठोस योजना नहीं।

शिक्षा बजट घटाकर 2.64 % से 2.5 % करना दुर्भाग्यपूर्ण

स्वास्थ्य बजट घटाकर 2.2 % से 1.98 % करना हानिकारक

## निजामुद्दीन में गैंगवार: बदमाशों ने एक-दूसरे पर की फायरिंग, दो बेगुनाहों को लगी गोली, जांच में जुटी पुलिस

**नई दिल्ली।** बदमाशों ने निखिल नाम के एक व्यक्ति पर गोलियां चलाईं। गोली निखिल की बजाय वहां मौजूद दो बेगुनाह लोगों को लगी है। दोनों को एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

दिल्ली के व्यस्ततम इलाकों में से एक निजामुद्दीन का भोगल बुधवार को गैंगवार के दौरान गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। बदमाशों की फायरिंग में वहां मौजूद दो बेगुनाह लोगों को गोली लगी है। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती करवाया है। साथ ही केस दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक, थाना हजरत निजामुद्दीन में बुधवार दोपहर 1:40 बजे फायरिंग की घटना में दो लोगों के घायल होने की सूचना मिली। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंचा, जहां एक व्यक्ति निखिल (24 वर्ष) पुत्र महेंद्र निवासी पंत नगर उम्र मिला।

उसने बताया कि दो लड़कों ने उस पर फायरिंग कर दी। उनका निशाना चूक गया और पास में खड़े नीरज (24 वर्ष) पुत्र जगदीश निवासी चर्च रोड, भोगल और मोहम्मद गुलजार पुत्र रहमान निवासी भोगल उम्र 18 वर्ष घायल हो गए। दोनों घायलों को एम्स के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने मामला दर्जकर छानबीन शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने जिस निखिल पर गोलियां चलाईं वह एक मामले में हत्यारोपी है। फायरिंग में गोली निखिल की बजाय वहां मौजूद दो लोगों को लग गई।

## सेक्टर-93 में एल्डिको चौराहे पर डिवाइडर से टकराने के बाद मर्सिडीज कार में लगी आग, चालक की दर्दनाक मौत

एनटीवी संवाददाता

**नोएडा।** थाना फेस-2 क्षेत्र के सेक्टर 93 में एल्डिको चौराहा के पास एक मर्सिडीज कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिसके बाद अचानक कार के अंदर आग लग गई।

गौतमबुद्धनगर जिले के थाना फेस-दो में स्थित सेक्टर-93 में एक दर्दनाक हादसा हुआ। यहां एक कार बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिसके बाद गाड़ी में आग लग गई। हादसे में कार चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जानकारी के अनुसार, थाना फेस-2 क्षेत्र के सेक्टर 93 में एल्डिको चौराहा के पास एक मर्सिडीज कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिसके बाद अचानक कार के अंदर आग लग गई। जिसकी चपेट में आकर मर्सिडीज चालक अनुज सहरावत निवासी बी-23 आदर्श अपार्टमेंट सेक्टर-नौ रोहिणी नई दिल्ली की मौके पर ही मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

## इनसाइड

### राजधानी में सर्द हवाओं के चलने से दिल्ली का मौसम खराब, जानें AQI

**नई दिल्ली।** दिल्ली-एनसीआर में AQIमें सुधार होते ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रैप-2 के तहत कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। हालांकि, जीआरएपी के चरण-1 के तहत कार्रवाइयां जारी रहेंगी। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को पारा नीचे रहने के कारण सर्द हवाओं के चलने से दिल्ली में मौसम खराब बना रहा। राजधानी में अधिकतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो मौसम के औसत से एक डिग्री कम है। दिल्ली वासियों की सुबह तेज हवा के साथ खुली और न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो साल के इस समय के लिए सामान्य है। दिल्ली-एनसीआर में AQIमें सुधार होते ही वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने ग्रैप-2 के तहत कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। हालांकि, जीआरएपी के चरण-1 के तहत कार्रवाइयां जारी रहेंगी। मौसम विभाग ने गुरुवार को मुख्य रूप से आसमान साफ रहने और अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 22 डिग्री सेल्सियस और 9 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान जताया है। दिल्ली का 24 घंटे का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई), जो 'मध्यम' श्रेणी में था, 164 दर्ज किया गया था। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वायु गुणवत्ता मॉनिटर सफर के मुताबिक, अगले दो दिनों तक हवा की गुणवत्ता 'मध्यम' या 'खराब का निचला स्तर' बनी रहेगी। अगले तीन दिनों के लिए, सतही हवा की गति (14 से 25 किलोमीटर प्रति घंटा) और तापमान (अधिकतम 20-23 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 8-9 डिग्री) से हवा की गुणवत्ता में सुधार होने की संभावना है। मिश्रित परत की ऊंचाई लगभग 1 होने की संभावना है। गुरुवार को हवा की गुणवत्ता में सुधार होने की संभावना है, लेकिन यह 'मध्यम' श्रेणी में बनी हुई है। इसके मामूली रूप से बिगड़ने की संभावना है लेकिन शुक्रवार और शनिवार को यह मोटे तौर पर 'मध्यम' श्रेणी में बना रहेगा। सफर ने कहा कि अगले छह दिनों तक वायु गुणवत्ता काफी हद तक 'मध्यम' से 'खराब' श्रेणी में बनी रहेगी।

### संदेह के आधार पर नौ आरोपी बरी, दिल्ली दंगों से जुड़ा है मामला

**दिल्ली।** अदालत ने आरोपी मो. शाहनवाज उर्फ शानू, शाहरुख, मो. शोएब उर्फ छुटवा, आजाद, मो. फैसल, राशिद उर्फ राजा, अशरफ अली, परवेज व राशिद उर्फ मोनू को संदेह का लाभ दिया है। कड़कड़डूमा कोर्ट ने दंगों के एक मामले में पुलिस हेड कांस्टेबल की गवाही पर संदेह जताते हुए दंगा, आगजनी और अन्य अपराधों के नौ आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि गवाह कांस्टेबल ने 15 दिन बाद आरोपियों की भूमिका का खुलासा किया और यह स्पष्ट करने में भी असफल रहा कि आखिर वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देने में देरी क्यों की। आरोपियों पर दंगों के दौरान एक दुकान और घर में आग लगाने का आरोप है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने अपने फैसले में कहा कि हेड कांस्टेबल विपिन की एकमात्र गवाही भीड़ में आरोपी व्यक्तियों की उपस्थिति का अनुमान लगाने के लिए पर्याप्त नहीं हो सकती। पुलिस ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने चमन विहार में शिकायतकर्ता की संपत्ति को आग लगा दी थी। अदालत ने आरोपी मो. शाहनवाज उर्फ शानू, शाहरुख, मो. शोएब उर्फ छुटवा, आजाद, मो. फैसल, राशिद उर्फ राजा, अशरफ अली, परवेज व राशिद उर्फ मोनू को संदेह का लाभ दिया है। अदालत ने कहा साक्ष्यों से स्पष्ट है कि गवाह विपिन हर दिन जांच अधिकारियों के साथ पुलिस स्टेशन में ब्रीफिंग में शामिल होता था, लेकिन उन्होंने औपचारिक रूप से इसे कहीं भी रिकॉर्ड नहीं किया।

## रेल-रैपिड व मेट्रो से जुड़ेगा NCR का अंतिम छोर, एक साथ लाए जाएंगे सभी साधन, जानें क्या है प्लान

**नई दिल्ली।** केंद्रीय बजट में इस बार दिल्ली-एनसीआर के यात्रियों को बेहतर सुविधा के लिए रेलवे लास्ट माइल कनेक्टिविटी पर जोर दिया गया है। केंद्रीय बजट में पहली बार इस बात का प्रावधान है कि रेलवे स्टेशनों को मेट्रो स्टेशन से जोड़ा जाए।

दिल्ली-एनसीआर की आवाजाही बेहतर करने की दिशा में केंद्रीय बजट से आस बंधी है। योजना रेल, रैपिड रेल, मेट्रो समेत सार्वजनिक परिवहन के सभी साधनों को एक तल पर लाने की है। इसमें परिवहन के एक माध्यम से दूसरे माध्यम को जोड़ा जाएगा। फिलहाल जोर रेलवे स्टेशनों को नजदीकी मेट्रो स्टशेनों से जोड़ने पर है। इसके लिए बजट में 500 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। दिलचस्प यह कि इस योजना से दिल्ली रिंग रेल के स्टेशनों को भी नया जीवन मिलेगा। संपर्क बेहतर होने से मुसाफिरों का इन स्टेशनों पर दबाव बढ़ेगा।

केंद्रीय बजट में इस बार दिल्ली-एनसीआर के यात्रियों को बेहतर सुविधा के लिए रेलवे लास्ट माइल कनेक्टिविटी पर जोर दिया गया है। केंद्रीय बजट में पहली बार इस बात का प्रावधान है कि रेलवे स्टेशनों को मेट्रो स्टेशन से जोड़ा जाए। इसके तहत अगर मेट्रो स्टेशन से रेलवे स्टेशन की दूरी अधिक है तो उसे स्वचालित ट्रेवलेटर, रोड ओवरब्रिज, रोड अंडरब्रिज, पैदल पार पथ समेत हर संभव तरीके निकाले जाएंगे। इससे रेलवे व मेट्रो के बीच की आवाजाही बेहतर होगी।

अधिकारी बताते हैं कि रेलवे का 500 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन से मल्टीमॉडल हब से जुड़ी योजना में रेलवे की भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है। अभी शुरुआत मेट्रो स्टेशन से होगी। आगे योजना के पूरी तरह मूर्त रूप लेने पर रेलवे, मेट्रो व आरआरटीएस कॉरिडोर के स्टेशन, एयरपोर्ट, बस व ऑटो स्टैंड आपस में जोड़े जाएंगे। इससे एक परिवहन के एक माध्यम से दूसरे माध्यम तक पहुंचना मुसाफिरों के लिए आसान होगा। सार्वजनिक परिवहन बेहतर होने से वह बेहद जरूरी होने पर अपने निजी वाहन का इस्तेमाल करेंगे।

**नहीं रुकेगी रैपिड रेल, मिले 3,596 करोड़**

दिल्ली-एनसीआर की आवाजाही बेहतर करने वाली रैपिड रेल की चाल भी नहीं थमेगी। 2023-24 के बजट में रैपिड रेल पर 3,596 करोड़ रुपये खर्च का प्रस्ताव है। इसका बड़ा हिस्सा दिल्ली-मेरठ कारीडोर पर खर्च होगा। साहिबाबाद-दुहाई के बीच का इसका पहला सेक्शन मई 2023 तक शुरू हो जाएगा। वहीं, दुहाई-मेरठ के बीच का दूसरा हिस्सा नए साल पर चालू होगा जबकि दिल्ली-साहिबाबाद के हिस्से पर रैपिड रेल 2025 तक दौड़ने लगेगी। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (एनसीआरटीसी) के वरिष्ठ अधिकारी मानते हैं कि इस बार का बजट आवंटन दिल्ली-मेरठ के बीच निर्माणाधीन आरआरटीएस कॉरिडोर की जरूरतों की पूरा करेगा।

एनसीआरटीसी की प्राथमिकता में भी अभी यही कॉरिडोर है। वहीं, दिल्ली-गुरुग्राम-एनएनबी कॉरिडोर पर सेवाओं की शिफ्ट का काम चल रहा है। दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान की राज्य सरकार ने इसके डीपीआर को मंजूरी दे दी है। फिलहाल, इसका प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास है। मंजूरी मिलने के बाद करीब 107 किमी लंबे कॉरिडोर के जमीनी स्तर पर काम शुरू होगा। वहीं, दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर के लिए दिल्ली सरकार की मंजूरी का इंतजार है।

**180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के लिए डिजाइन**

आरआरटीएस ट्रैक को 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि इस पर चलने वाली रैपिड रेल की चाल 160 किमी प्रति घंटे होगी। देश में अपनी तरह की पहली परियोजना के तहत दिल्ली-एनसीआर में तीन ट्रैक बनने हैं। इसमें से दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर के एक हिस्से पर इसी साल रैपिड ट्रेन उतार दी जाएगी।

**आरआरटीएस के तीन कॉरिडोर**

देश के पहले 82 किमी लंबे आरआरटीएस कॉरिडोर यानी दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस कॉरिडोर पर दो डिपो और एक स्टेबलिंग यार्ड समेत 25 स्टेशन निर्माणाधीन हैं।

इस कॉरिडोर पर 14,000 से अधिक मजदूर और 1100 इंजीनियर दिन-रात काम कर रहे हैं। कॉरिडोर के लिए अब तक 35 फीसदी सुरंग के अलावा 65 फीसदी एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य पूरा हो गया है।

करीब 107 किमी लंबे दिल्ली-गुरुग्राम-एसएनबी कॉरिडोर पर बिजली, पानी, सीवर जैसी सेवाओं को शिफ्ट करने का काम चल रहा है। 103.02 किमी लंबे दिल्ली-पानीपत कॉरिडोर पर अभी दिल्ली सरकार की इजाजत मिलने का एनसीआरटीसी को इंतजार है।

## गुरुग्राम में स्थापित होगा हेलीपोर्ट, दिल्ली के एयर स्पेस को मिलेगा नया विकल्प

**गुरुग्राम।** दुष्यंत चौटाला ने बताया कि जल्द ही गुरुग्राम के सेक्टर 84 में एक हेलीपोर्ट स्थापित किया जाएगा, योजना पर अंतिम चरण में है। हेलीपोर्ट में 100 यात्रियों के लिए एक टर्मिनल को बनाने का प्रावधान किया है। हरियाणा में एयर इंडिया 3500 करोड़ रुपये का निवेश करने की तैयारी में है और इसके लिए प्रदेश में प्रशिक्षण शुरू करना चाहती है। इसी कड़ी में गुरुग्राम के सेक्टर-84 में हेलीपोर्ट स्थापित किया जाएगा। इस हेलीपोर्ट की स्थापना से दिल्ली के एयर स्पेस को एक नया विकल्प मिलेगा। वहीं, रिजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के तहत हरियाणा के विभिन्न शहरों को उत्तरी राज्यों के शहरों के साथ जोड़ा जाएगा। यह जानकारी प्रदेश के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने दी। वह मंगलवार को मंगलवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में केंद्र सरकार की संस्था पवनहंस, एयर इंडिया, राज्य के उड्डयन विभाग के अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक के दौरान डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला की एयर इंडिया उड्डयन प्रशिक्षण अकादमी के निदेशक सुनील भास्करन से भी बातचीत हुई। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि प्रशिक्षण अकादमी को शुरू करने के लिए राज्य सरकार ने इंजीनियर प्रशिक्षण के लिए गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी (जीजेयू) और हिसार क्लस्टर के साथ मिलकर आगे बढ़ने का सुझाव दिया है। सीमूलेटर के तहत पायलट और केबिन-क्रू प्रशिक्षण के लिए सरकार ने पातली-हाजीपुर और एटीएल सोहना में अकादमी खोलने का सुझाव दिया है। इसके तहत एक सप्ताह के भीतर एयर इंडिया इन स्थानों को एक्सप्लोर करके जानकारी राज्य सरकार को मुहैया कराएगा।

दुष्यंत चौटाला ने बताया कि जल्द ही गुरुग्राम के सेक्टर 84 में एक हेलीपोर्ट स्थापित किया जाएगा, योजना पर अंतिम चरण में है। हेलीपोर्ट में 100 यात्रियों के लिए एक टर्मिनल को बनाने का प्रावधान किया है। इसमें छोटे व बडे हेलीकॉप्टर को रखने के लिए हैंगर, पार्किंग, मरम्मत इत्यादि सुविधाएं शामिल हैं। हैलीपोर्ट में 300 मीटर का रनवे होगा और हेलीकॉप्टर को जल्द से जल्द लैंडिंग और टेकआफ की सुविधा भी देगा और इसे 24 घंटे सुचारू रखा जाएगा।

**अन्य राज्यों को जोड़ने की तैयारी**

डिप्टी सीएम ने कहा कि रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के तहत आगे बढ़ते हुए हरियाणा लीड कर रहा है और इस दिशा में हिसार, अंबाला और करनाल से देश के उत्तरी राज्यों के शहरों के बीच उड्डयन कनेक्टिविटी करने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजे गए हैं। इस स्कीम हरियाणा सहित पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, जम्मू कश्मीर और उत्तर प्रदेश शामिल है। प्राथमिक तौर पर इस स्कीम के अंतर्गत हिसार से जैसलमेर, हिसार से जयपुर, हिसार से आगरा, अंबाला से वाराणसी, अंबाला से गोरखपुर इत्यादि शहरों को कनैक्ट करने की योजना है।

# रैपिड रेल: दुहाई से मेरठ परतापुर तक होगी विद्युत आपूर्ति, चार ट्रांसफार्मर की टेस्टिंग शुरू

एनटीवी न्यूज

**गाजियाबाद।** रैपिड रेल के प्राथमिकता खंड के बाद अब दुहाई से मेरठ परतापुर तक के दूसरे खंड में विद्युत आपूर्ति की दिशा में बड़ी सफलता मिली है। नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (एनसीआरटीसी) की ओर से मुरादनगर में दूसरा रिसीविंग सब-स्टेशन (आरएसएस) तैयार कर लिया गया है। सब-स्टेशन में लगाए गए चार बड़े ट्रांसफार्मर की टेस्टिंग शुरू हो गई है।

इस आरएसएस से 24 किमी लंबे दुहाई से मेरठ के परतापुर केदूसरे खंड में सभी स्टेशनों और रेल संचालन के लिए विद्युत आपूर्ति की जाएगी। सब-स्टेशन के भवन का निर्माण होने केसाथ इलेक्ट्रिकल उपकरण लगाने का कार्य पूरा हो चुका है। दूसरे खंड में रैपिड रेल का संचालन अक्तूबर 2023 में होना है। ऐसे में जल्द ही आरएसएस स्टेशनों और ट्रेनों के संचालन को विद्युत आपूर्ति केलिए तैयार हो जाएगा।

**50 मेगावाट है आरएसएस की क्षमता**

मुरादनगर में तैयार हुए रिसीविंग सब-स्टेशन की क्षमता 50 मेगावाट है। इस आरएसएस से दुहाई से मेरठ दक्षित के दूसरे खंड में आने वाले मुरादनगर स्टेशन, मोदीनगर दक्षिण, मोदीनगर उत्तर, मेरठ दक्षिण और परतापुर स्टेशन तक विद्युत आपूर्ति की जाएगी। बिजली सप्लाई के लिए एनसीआरटीसी ने उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीटीसीएल) के साथ करार किया है। यूपीटीसीएल ग्रिड सबस्टेशन से 220 वॉट बिजली ईएचटी (एक्सट्रा हाईटेंशन लाइन) केबल के माध्यम से मुरादनगर आरएसएस में आएगी।

**पहले खंड और दुहाई डिपो के बैकअप का करेगा कार्य**

आरएसएस का इस्तेमाल 17 किमी लंबे साहिबाबाद से दुहाई तक प्राथमिकता खंड और दुहाई डिपो के लिए बैकअप कार्य के रूप में भी किया जाएगा। मार्च 2023 में शुरू होने वाले पहले खंड में विद्युत आपूर्ति में कोई रुकावट और विलंब न हो, इसके लिए इस सब-स्टेशन की सुविधाएं भी ली जाएंगी। इस आरएसएस से दुहाई डिपो में 33 केवी बिजली की आपूर्ति की जाएगी। दूसरी ओर कॉरिडोर पर ट्रेनों के संचालन में विद्युत ओएचई के लिए 25 केवी विद्युत की आपूर्ति की जाएगी।

**कुल पांच रिसीविंग सब-स्टेशन का होगा निर्माण**

आरआरटीएस ट्रेन और स्टेशनों को निरंतर बिजली आपूर्ति के लिए एनसीआरटीसी की ओर से दिल्ली से मेरठ तक कुल पांच रिसीविंग सब-स्टेशनों का निर्माण किया जा रहा है। इसमें गाजियाबाद में दो आरएसएस का निर्माण हो चुका है। इसके अलावा दिल्ली में सराय काले खां, मेरठ के शताब्दीनगर और मोदीपुरम में किया जा रहा है। गाजियाबाद में बने पहले आरएसएस से ही साहिबाबाद से दुहाई तक चल रहे हाईस्पीड टेस्टिंग रन के लिए बिजली आपूर्ति की जा रही है।

**दूसरे खंड में निर्माण कार्य प्रगति पर**

एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स का कहना है कि प्राथमिकता खंड से अलावा दुहाई से मेरठ दक्षिण स्टेशन के बीच दूसरे संचालन खंड का निर्माण कार्य प्रगति पर है। मुरादनगर आरएसएस से ही इस खंड में विद्युत आपूर्ति की जाएगी।

# ऑटो गैंग ने पांच सितारा होटल के शेफ से की लूट, नकदी और मोबाइल लेकर फरार

ऑटो में पहले से ही दो बदमाश सवारी बनकर बैठे थे। कुछ दूर चलने के बाद ऑटो चालक ने ऑटो क्रासिंग रिपब्लिक की तरफ ले जाने की बजाय विजयनगर की ओर मोड़ दिया। सजवान कट के पास फ्लाईओवर के नीचे बदमाशों ने उनके साथ वारदात को अंजाम दिया।

**गाजियाबाद।** गाजियाबाद में ऑटो गैंग के बदमाश चालक व सवारी बनकर घूम रहे हैं। विजयनगर क्षेत्र में ऑटो गैंग के तीन बदमाशों ने आगरा के पांच सितारा होटल के शेफ ललित कुमार से हथियारों के बल पर लूटपाट की। बदमाशों ने ललित से 15 हजार की नकदी, मोबाइल फोन, चार्जर, ईयर फोन व अन्य सामान लूट लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने उनके साथ मारपीट की। इतना ही नहीं चाकू के बल पर जान से मारने की धमकी देकर पेटीएम व मोबाइल का पासवर्ड पूछकर भाग गए।

क्रासिंग रिपब्लिक के महाराणा विहार निवासी ललित कुमार आगरा के द ओबराय अमर विलास होटल में शेफ हैं। उन्होंने बताया कि वह 29 जनवरी की रात करीब साढ़े 10 बजे आगरा से घर के लिए बस से नोएडा आए थे। वहां से उन्होंने सेक्टर 62 के लिए ऑटो लिया। सेक्टर 62 उतरने के बाद उन्होंने घर जाने के लिए दूसरा ऑटो लिया। ऑटो में पहले से ही दो बदमाश सवारी बनकर बैठे थे। कुछ दूर चलने के बाद ऑटो चालक ने ऑटो क्रासिंग रिपब्लिक की तरफ ले जाने की बजाय विजयनगर की ओर मोड़ दिया। सजवान कट के पास फ्लाईओवर के नीचे बदमाशों ने उनके साथ वारदात को अंजाम दिया। एसीपी नगर अंशु जैन का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। बदमाशों को पकड़ने के लिए टीमें लगा दी गई हैं। जल्द बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

**जान से मारने की धमकी देकर पूछा पासवर्ड**

ललित कुमार ने बताया कि बदमाशों ने जाते समय उन पर चाकू लगा दिया और मोबाइल व पेटीएम का पासवर्ड पूछा। नहीं बताने पर जान से मारने की धमकी देने लगे। ललित कुमार का कहना है कि उनका मोबाइल फोन बदमाश ले गए। ऐसे में उन्हें अभी जानकारी नहीं हुई कि बदमाशों ने उनके खाते से कितने रुपये निकाले हैं। नए सिम पर अभी मेसेज नहीं आ रहे हैं तो इसकी जानकारी नहीं लग पा रही है।

**चौकी पर नहीं मिली पुलिस**

ललित कुमार का कहना है कि घटना के बाद वह पैदल चलकर बाईपास चौकी पहुंचे लेकिन वहां पुलिस नहीं मिली। इसके बाद वह अपने घर चले गए। अगले दिन सुबह उन्होंने विजयनगर थाने पहुंचकर पुलिस को सूचना देकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

# जल्दी पार्सल भेजने का झांसा देकर बैंक खाता किया खाली, 10 रुपये में सुविधा का लाभ लेने का दिया लालच

कॉलर ने दो घंटे में कुरियर को पहुंचाने की बात कहकर उनसे 10 रुपये का भुगतान करने को कहा। उनका कहना है कि उनके की ओर से भेजे गए लिंक को खोलकर जानकारी डाली लेकिन भुगतान नहीं किया। इतने में उनके खाते से एक लाख रुपये निकल गए।

**नई दिल्ली।** गाजियाबाद के कविनगर के अवंतिका निवासी डॉ. वीरेंद्र कुमार पोरवाल से शातिरों ने जल्दी पार्सल भेजने का झांसा देकर उनके खाते से एक लाख रुपये निकाल लिए। शातिरों ने उन्हें 10 रुपये का भुगतान करके दो घंटे में पार्सल को भेजने के नाम पर ठगी की वारदात की। मामले में उन्होंने साइबर सेल में शिकायत कर कविनगर थाने में केस दर्ज कराया है। वीरेंद्र कुमार का कहना है कि उनका बेटा मोहित हैदराबाद में है। उन्होंने दो जनवरी को सामान भेजने के लिए नामी कुरियर कंपनी से पार्सल भेजा था। चार जनवरी को उन्होंने कुरियर को ट्रैक करने के लिए इंटरनेट पर कुरियर कंपनी का पेज डाउनलोड किया और ट्रैक करने का प्रयास किया। कुरियर के बारे में जानकारी डालने के बाद उनके पास दो बार अलग-अलग नंबरों से फोन कॉल आई। कॉलर ने उन्हें उनका पार्सल एयरपोर्ट पर होने और 12 जनवरी तक कुरियर पहुंचने की बात कही। इसके बाद कॉलर ने दो घंटे में कुरियर को पहुंचाने की बात कहकर उनसे 10 रुपये का भुगतान करने को कहा। उनका कहना है कि उनके की ओर से भेजे गए लिंक को खोलकर जानकारी डाली लेकिन भुगतान नहीं किया। इतने में उनके खाते से एक लाख रुपये निकल गए। ठगी का पता चलने पर उन्होंने अपना बैंक खाता ब्लॉक कराकर साइबर सेल से शिकायत की। कविनगर एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि मामले में साइबर सेल की मदद लेकर शातिरों को ट्रेस करने का प्रयास किया जा रहा है।

इनसाइड

## मात्र 10 लाख रुपये से कम की कीमत में खरीदें दमदार माइलेज वाली डीजल कार

इंडियन मार्केट में डीजल कारों की डिमांड कम नहीं हैंअगर आप अपने लिए एक नई डीजल कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम डीजल गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।आज हम 10 लाख रुपये से कम की कीमत में आने वाली बाइक्स की लिस्ट लेकर आए हैं।

**नई दिल्ली** । भारतीय बाजार में पेट्रोल की कीमत बढ़ने के कारण लोग सबसे अधिक सीएनजी कारों की तरफ रुख कर रहे हैं। सीएनजी कारों का फायदा ये होता हैं कि इसमें माइलेज पेट्रोल कारों के मुकाबले 1.5 गुना अधिक मिलता है। लेकिन इसके लिए आपको लंबे समय तक लाइन में लगना पड़ता है, लेकिन इंडियन मार्केट में डीजल कारों की डिमांड कम नहीं हैं, अगर आप अपने लिए एक नई डीजल कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम डीजल गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।

**Tata Nexon**

आपको बता दे भारतीय बाजार में टाटा नेक्सॉन पेट्रोल के साथ डीजल इंजन का ऑप्शन का देती है और ये डीजल के साथ इसका सबसे सस्ता वेरिएंट Nexon XM Diesel है। इसकी कीमत 10 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है इसके साथ ही इसका माइलेज 21.19 kmpl तक का है।

**Tata Altroz**

इस कार में कंपनी ने 1.5 लीटर का डीजल इंजन दिया है। आपको बता दे ये डीजल वेरिएंट के साथ इसका सबसे सस्ता वेरिएंट Altroz XE Plus Diesel है। भारतीय बाजार में इस कार की कीमत 7.90 लाख रुपये है। ये माइलेज 23.03 kmpl का है।

**Hyundai i20**

भारतीय बाजार में ये सबसे प्रसिद्ध प्रीमियम हैचबैक कार है। इसमें 1.5 लीटर का डीजल इंजन दिया गया है। डीजल का ये सबसे सस्ता वेरिएंट i20 Magna Diesel है और इसकी कीमत 8.43 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। वहीं ये कार माइलेज 25.0 kmpl तक का देती है।

**Mahindra XUV300**

इंडियन मार्केट में मौजूद ये कार दो टर्बो पेट्रोल के साथ 1.5 लीटर का डीजल इंजन के साथ आती है। डिजल में ये सबसा सस्ता वेरिएंट XUV300 W4 है।जिसकी कीमत 9.60 लाख रुपये है। ये 20.1 kmpl का माइलेज भी देती है।

**Kia Sonet**

किआ ने समय से पहले ही लोगों के बीच में काफी प्रसिद्ध हो गई है।डिजाल का सबसे सस्ता वेरिएंट Sonet 1.5 HTE Diesel है । इंडियन मार्केट में इस कार की कीमत 9.05 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। माइलेज की बात करें तो ये 24.1kmpl तक का माइलेज देता है।

# टोयोटा इन 4 गाड़ियों पर कर रही काम, जल्द लॉन्च हो सकती हैं ये कारें

टोयोटा 2023 के मध्य तक देश में अर्टिगा आधारित एमपीवी लॉन्च करेगी। कोडनेम D23 नया मॉडल इनोवा के नीचे स्थित होगा और Kia Carens को टक्कर देगा। Toyota दक्षिण अफ्रीका में पहले से ही Ertiga-आधारित MPV बेच रही है जिसे Toyota Rumion MPV कहा जाता है।

टोयोटा इंडियन मार्केट में अपना पोर्टफोलियो का विस्तार करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। कंपनी आने वाले समय में अपनी 4 दमदार गाड़ियों को भारतीय बाजार में पेश करने के लिए तैयार है। जिसका जिक्र हम इस खबर के माध्यम से करने जा रहे हैं।

**TOYOTA A15 SUV COUPE**

जापानी वाहन निर्माता कंपनी टोयोटा इस साल के अंत से पहले देश में एक नया एसयूवी कूप कोडनेम A15 लॉन्च करेगी। नई एसयूवी कूप बंद हो चुके अर्बन क्रूजर के रिप्लेसमेंट के तौर पर आएगी। इसका मुकाबला Hyundai Venue, Kia Sonet, Renault Kiger और Nissan Magnite से होगा। नई SUV कूप मारुति की आगामी YTB SUV कूप पर आधारित होगी, जो ऑटो एक्सपो 2023 में अपनी वैश्विक शुरुआत करने वाली है।

**TOYOTA D23 MPV**

टोयोटा 2023 के मध्य तक देश में अर्टिगा आधारित एमपीवी लॉन्च करेगी। कोडनेम D23 नया मॉडल इनोवा के नीचे स्थित होगा और Kia Carens को टक्कर देगा। जिन लोगों को जानकारी नहीं है, उनके लिए Toyota दक्षिण अफ्रीका में पहले से ही Ertiga-आधारित MPV बेच रही है, जिसे Toyota Rumion MPV कहा जाता है। कंपनी ने भारत में रुमियन नेमप्लेट को पहले ही पंजीकृत कर लिया है।

**2023 TOYOTA INNOVA CRYSTA**

कयास लगाए जा रहे हैं कि नई 2023 टोयोटा इनोवा क्रिस्टा को 2.7 लीटर, 4-सिलेंडर पेट्रोल इंजन और सीएनजी ईंधन विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। एमपीवी का सीएनजी संस्करण फ्लीट मार्केट और निजी खरीदारों दोनों के लिए लक्षित होगा। इसके अलावा, इसमें 2.4L टर्बो डीजल इंजन भी ऑफर पर होगा। जापानी ऑटोमेकर का लक्ष्य फरवरी 2023 से नई इनोवा क्रिस्टा की लगभग 2,000 - 2,500 यूनिट/माह का निर्माण करना है।

**NEW-GEN TOYOTA FORTUNER**

नई पीढ़ी की टोयोटा फॉर्च्यूनर इस समय टेस्टिंग फेज में है। यह गाड़ी भारत में साल 2024 में लॉन्च हो सकती है। हालांकि, मॉडल के 2023 की दूसरी छमाही में वैश्विक शुरुआत करने की उम्मीद है। सभी नए फॉर्च्यूनर आधारित होंगे टीएनजीए-एफ प्लेटफॉर्म पर और उल्लेखनीय रूप से बेहतर स्टाइलिंग, एडवांस तकनीक और हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ आती है।

# इंतजार हुआ खत्म, छोटी कारों के शौकीन लोगों के लिए आने वाली है ये गाड़ियां

इस साल जहां एसयूवी गाड़ियों की लाइन लगने वाली है इसके साथ ही कई छोटी कारें भी इस साल लॉन्च होने वाली है। CITROEN EC3 फरवरी से सड़को पर चलने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसकी प्री-बुकिंग 22 जनवरी 2023 से शुरू हो जाएगी।

भारतीय बाजार में इस साल कई बड़े लॉन्च होने वाले हैं। कई बड़ी वाहन निर्माता कंपनियां अपनी नई कारों को लेकर आ रही है। अगर आपकी प्लानिंग एक नई छोटी कारों को खरीदने की है तो आज हम आपके लिए आने वाले दिनों में लॉन्च होने वाली गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।

**HYUNDAI GRAND I10 NIOS FACELIFT**

दक्षिण कोरिया की वाहन निर्माता कंपनी ने ये पुष्टि कि वह 20 जनवरी 2023 को अपडेट ग्रैंड i10 Nios हैचबैक की कीमतों की घोषणा करेगी। उसी दिन से ब्रिकी के लिए उपलब्ध हो जाएगी। नई 2023 Hyundai Grand i10 Nios फेसलिफ्ट में नए बड़े ग्रिल, नए त्रिकोणीय आकार के LED DRLs, संशोधित बंपर, 15-इंच के डुअल-टोन अलॉय व्हील और नए LED टेल लैंप के स्टाइल के साथ आने वाली है। हैचबैक में स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, वायरलेस चार्जिंग, वॉयस रिकग्निशन और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल के साथ 8 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम भी है।

**CITROEN EC3**

भारतीय बाजार में ये कार फरवरी से सड़को पर चलने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इसकी प्री-बुकिंग 22 जनवरी 2023 से शुरू हो जाएगी। ईवी में पावरट्रेन सेटअप के लिए 29.2kWh की बैटरी दी गई है। इसका मोटर 57bhp की अधिकतम पावर और 143Nm का टार्क जनरेट करती है। यह दो ड्राइविंग मोड्स - स्टैंडर्ड और इको - और रीजनरेटिंग ब्रेकिंग सिस्टम के साथ आती है। वाहन निर्माता कंपनी का कहना है कि यह 6.8 सेकंड में 0 से 60 किमी प्रति घंटे की गति और 107 किमी प्रति घंटे की स्पीड प्राप्त करने में सक्षम है। यह स्टैंडर्ड चार्जर और डीसी फास्ट चार्जिंग दोनों को सपोर्ट करती है।

**MG AIR EV**

एमजी मोटर इंडिया ने 2023 की शुरुआत में एक छोटी इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की पुष्टि की है। यह मॉडल वाहन निर्माता कंपनी का दूसरा इलेक्ट्रिक मॉडल होगा और भारत में ब्रिटिश वाहन निर्माता कंपनी की सबसे छोटी कार होगी। इसकी लंबाई करीब 2.9 मीटर होगी। बैटरी की क्षमता लगभग 200-300km होने की उम्मीद है। इसमें 68bhp के आसपास सिंगल, फ्रंट-एक्सल मोटर जनरेटिंग पावर हो सकती है।

**TATA PUNCH CNG/ALTROZ CNG**

टाटा मोटर्स इस साल पंच सीएनजी और अल्ट्रोज सीएनजी मॉडल को पेश करेगी। दोनों मॉडल में 1.2 लीटर रेवोट्रॉन पेट्रोल इंजन है। ये सीएनजी मोड में ये कार 77bhp की अधिकतम शक्ति और 97Nm का पीक टॉर्क जनरेट करता है। टाटा पंच सीएनजी और अल्ट्रोज़ सीएनजी 60 लीटर की कुल क्षमता वाले दो सीएनजी टैंक के साथ आता

# भारतीय बाजार में मौजूद हैं ये धांसू सीएनजी गाड़ियां

भारतीय बाजार में पेट्रोल डीजल की कीमत काफी तेजी से बढ़ते जा रही है।आज के समय में सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन एक बेहतर विकल्प बनते जा रहे हैं।आप अपने लिए एक नई कार खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो आज हम सीएनजी गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए हैं।

**नई दिल्ली** । भारतीय बाजार में आज के समय में एक से बढ़कर एक सीएनजी गाड़ियां मौजूद है। जिससे आपके पास एक बेहतर ऑप्शन है। वहीं पेट्रोल डीजल की कीमत बढ़ने के कारण लोगों के लिए सीएनजी आज एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रहा है।आज हम आपके लिए सीएनजी गाड़ियों की लिस्ट लेकर आए है।

**Maruti Suzuki Alto S-CNG**

मारुति सुजुकी ऑल्टो 800 एस - सीएनजी भारतीय बाजार में सबसे सस्ती कार है। वर्तमान में इस कार में कंपनी फिटेड सीएनजी किट के साथ आ रही है।आपको बता दे आल्टो एलएक्सआई (ओ) वेरिएंट के साथ पेश की गई है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 5.03 लाख रुपये है। ये 796 सीसी पेट्रोल इंजन सीएनजी मोड में 40 एचपी और एनएम का पीक टॉर्क बनाती है। इसे 5 स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ -जोड़ा गया है।

**Maruti Suzuki S - Presso S- CNG**

भारतीय बाजार में मारुति एस -प्रेसो के दो वेरिएंट - एलएक्सआई और वीएक्सआई के साथ ऑप्शनल सीएनजी किट प्रदान करती है। इसकी कीमत 5.90 लाख रुपये और 6.10 लाख रुपये है। इसमें सीएनजी किट के साथ 1.0लीटर तीन सिलेंडर इंजन मिलता है। जो 56 हॉर्स पावर और 8.21 एनएम टॉर्क जनरेट करती है।

**Tata Tiago iCNG**

टाटा मोटर्स ने जनवरी 2022 में टियागो और टिगोर सब 4 मीटर आईसीएनजी वेरिएंट को पेश किया है। इसके लिए आपको 6.30 लाख रुपये देने होगे। कंपनी ने टाटा टियागो सीएनजी को कुल चार वेरिएंट्स - XE, XM, XT, और XZ है। सीएनजी स्पेक में 1.2 लीटर तीन सिलेंडर रेवोट्रॉन पेट्रोल इंजन 73 एचपी और 95 एनएम जनरेट करती है। ये 5 एमटी के साथ आती है।

# भारत की आर्थिक बुनियाद को मजबूती प्रदान करेगा इस बार का आम बजट

ललित गर्ग

अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है, जो इस बजट से पूर्ण होता हुआ दिखाई देता है। इस बजट में मध्यम वर्ग को लम्बे अन्तराल के बाद 7 लाख रुपये तक की कुल कमाई करने वालों को बड़ी राहत दी है।

अमृत काल का पहला बजट अनेक दृष्टियों एवं दिशाओं से महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक है, क्योंकि इसमें वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सात फोकस क्षेत्रों की बात की, जिन्हें उन्होंने सरकार का मार्गदर्शन करने के लिए 'सप्तऋषि' कहा। कश्यप, अत्रि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और भारद्वाज, इन सात ऋषियों को सप्तर्षि कहा जाता है, जो सृष्टि का संतुलन बनाने में अपनी योगदान देते हैं। भारत आर्थिक विकास एवं संतुलन में इन ऋषियों को आधार बनाने की बात एक मौलिक सोच एवं दिशा है। दुनिया ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये इस सप्तर्षि रूपी बजट में सात फोकस क्षेत्रों में समावेशी विकास, वंचितों को वरीयता, बुनियादी ढांचे और निवेश, क्षमता विस्तार हरित विकास, युवा शक्ति, वित्तीय क्षेत्रों पर बल दिया गया है, इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाता है। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्वस्तर पर तीसरे स्थान पर बनाये रखने में सहायक बनेगा, विकास दर को 7 प्रतिशत बनाये रखेगा एवं अगले वर्ष भारत अधिक तीव्र गति से विकास कर सकेगा। निश्चित ही सप्तर्षि से उपमित यह बजट आगामी आजादी की शताब्दी तक ले जाने वाले 25 वर्षों में भारत की आर्थिक बुनियाद को मजबूती देने का माध्यम बनेगा। सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की दृष्टि से वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बुधवार को लोकसभा में प्रस्तुत आम बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है, जो इस बजट से पूर्ण होता हुआ दिखाई देता है। इस बजट में मध्यम वर्ग को लम्बे अन्तराल के बाद 7 लाख रुपये तक की कुल कमाई करने वालों को बड़ी राहत दी है। इन लोगों को अब कोई टैक्स नहीं देना होगा। इसके अलावा इनकम टैक्स स्लैब की संख्या भी घटाकर 5 कर दी गई है।

बजट में महिला बचत सम्मान योजना लॉन्च करके महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने एवं

बचत को प्रोत्साहित करने का भी प्रयत्न किया गया है। इसके तहत 7.5 फीसदी का सालाना ब्याज मिलेगा। किसानों के लिए श्री अन्न योजना लॉन्च की गयी है, इसके तहत मोटे अनाज के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके तहत बाजरा, ज्वार, रागी जैसे मिलेट्स के उत्पादन के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा मिलेट्स संस्थान की भी हैदराबाद में स्थापना की जाएगी। बजट में रेलवे के लिए 2.4 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे भारत की रेल को मजबूती एवं नयी उन्नत शक्ल मिलेगी। वहीं अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए हर वर्ष 10 हजार करोड़ रुपये की रकम जारी की जाएगी। बीते कुछ सालों में नरेन्द्र मोदी ने इकॉनमी को मजबूत करने के लिए जो नींव रखी थी, अब उस पर मजबूत इमारत खड़ा करने का मौका है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 2 लाख करोड़ रुपये केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है। अंत्योदय योजना के तहत गरीबों के लिए मुफ्त खाद्यान्न की आपूर्ति को एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 की शुरूआत की जाएगी। युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय अवसरों के लिए कौशल प्रदान करने के लिए 30 स्किल इंडिया नेशनल सेक्टर खोले जाएंगे।

740 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के लिए अगले 3 वर्षों में 38,000 शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की भर्ती की जाएगी। घरेलू और अतंरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए देश में 50 पर्यटन स्थल विकसित किए जाएंगे। उनका विकास प्रतिस्पर्धी आधार पर किया जाएगा। मोदी सरकार ने गरीबों की भी बल्ले-बल्ले करवा दी है। प्रधानमंत्री आवास योजना का बजट 66 प्रतिशत बढ़ाकर 79 हजार करोड़ रुपये कर दिया गया है। सरकार का आर्थिक एजेंडा नागरिकों के लिए अवसरों को सुविधाजनक बनाने, विकास और रोजगार सृजन को तेज गति प्रदान करने और व्यापक आर्थिक स्थिरता को मजबूत करने पर केंद्रित है। पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन पर ध्यान देते हुए कृषि ऋण लक्ष्य को बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये किया गया है। बच्चों और किशोरों के लिए राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय स्थापित करने की घोषणा भी सराहनीय है, वहीं, कृषि से जुड़े स्टार्ट अप को प्राथमिकता देने की दृष्टि से भी बजट में प्रावधान किये गये हैं, जिसके अन्तर्गत युवा उद्यमियों द्वारा कृषि-स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि त्वरक कोष की स्थापना की जाएगी। आदिवासी समुदाय के उन्नयन के लिये भी बजट में ध्यान दिया गया है। यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से मील का पत्थर साबित होगा। इसके माध्यम से समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था का जो नक्शा सामने आया है वह इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाला है। इस बजट में शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल दिया है, जो इस बजट की विशेषता है। भारत की अर्थव्यवस्था को तीव्र गति देने की दृष्टि से यह बजट कारगर साबित होगा, जिसके दूरगामी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे, रोजगार के नये अवसर सामने आयेंगे, उत्पाद एवं विकास को तीव्र गति मिलेगी। चालू वित्त वर्ष में आर्थिक क्षेत्र में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिले, लेकिन इन सब स्थितियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इस बजट के माध्यम से देश को स्थिरता की तरफ ले जाते दिखाई पड़ रहे हैं। बजट हर वर्ष आता है। अनेक विचारधाराओं वाले वित्तमंत्रियों ने विगत में कई बजट प्रस्तुत किए। पर हर बजट लोगों की मुसीबतें बढ़ाकर ही जाता रहा है। लेकिन इस बार बजट ने बिगड़ी अर्थव्यवस्था में नयी परम्परा के साथ राहत की सांसें दी है तो नया भारत-सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी व्यक्त किया है। इस बजट में कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, रेलों का विकास, सड़कों और अन्य बुनियादी ढांचागत क्षेत्रों के विकास के साथ-साथ किसानों, गांवों और गरीबों को ज्यादा तवज्जो दी गयी है। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। इस बार के बजट से हर किसी ने काफी उम्मीदें लगा रखी थीं और उन उम्मीदों पर यह बजट खरा उतरा है। विशेषतः नौकरीपेशा लोगों ने राहत की सांस ली है। इस बार आम बजट को लेकर उत्सुकता इसलिए और अधिक थी, क्योंकि यह बजट पड़ोसी देशों के लगातार हो रहे हमलों, निस्तेज हुए व्यापार, रोजगार, उद्यम की स्थितियों के बीच प्रस्तुत हुआ है। संभवतः इस बजट को नया भारत निर्मित करने की दिशा में लोक-कल्याणकारी बजट कह सकते हैं।

यह बजट वित्तीय अनुशासन स्थापित करने की दिशाओं को भी उद्घाटित करता है। आम बजट न केवल आम आदमी के सपने को साकार करने, आमजन की आकांक्षाओं को आकार देने और देशवासियों की आशाओं को पूर्ण करने वाला है बल्कि यह देश को समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में उठाया गया महत्वपूर्ण एवं दूरगामी सोच से जुड़ा कदम है। बजट के सभी प्रावधानों एवं प्रस्तावों में जहां 'हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। आजादी के अमृत काल में प्रस्तुत यह बजट निश्चित ही अमृत बजट है। जिसमें भारत के आगामी 25 वर्षों के समग्र एवं बहुमुखी विकास को ध्यान में रखा गया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने आशा के अनुरूप ही बजट का फोकस किसानों, स्वास्थ्य, शिक्षा, शहरी विकास, रोजगार, युवाओं की अपेक्षाओं, विकास और ग्रामीण क्षेत्र पर रखा है। अपने ढांचे में यह पूरे देश का बजट है, एक आदर्श बजट है। इसका ज्यादा जोर सामाजिक विकास पर है। मुश्किल के इस वक्त में भी मोदी सरकार का फोकस मोटे अनाज को प्रोत्साहित करते हुए किसानों के हितों को ही साधने, विकास की रफ्तार को बढ़ाने और आम लोगों को सहायता पहुंचाने पर है। अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि-वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते हैं लेकिन इस बार का बजट इस वर्ष नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव होने के बावजूद राजनीति प्रेरित नहीं है। इस बजट में जो नयी दिशाएं उद्घाटित हुई हैं और संतुलित विकास, भ्रष्टाचार उन्मूलन, वित्तीय अनुशासन एवं पारदर्शी शासन व्यवस्था का जो संकेत दिया गया है, सरकार को इन क्षेत्रों में अनुकूल नतीजे हासिल करने पर खासी मेहनत करनी होगी।

## संपादक की कलम से

### अमृत काल का 'अमृत बजट'

इस बार के बजट को देखें तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की सराहना की जानी चाहिए कि तमाम वैश्विक चुनौतियों के बीच उन्होंने विकास को गति प्रदान करने वाला बजट बनाया और हर वर्ग की उम्मीदों को कहीं ना कहीं पूरा किया।

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण बजट भारत की प्रगति को बढ़ाने वाला है। खासतौर पर अगले 25 वर्षों के लिए इसमें जो संकल्प प्रदर्शित किये गये हैं वह सरकार की दूरगामी सोच को प्रदर्शित करते हैं। वैसे भी प्रधानमंत्री मोदी की सोच सिर्फ बजट के समय घोषणाएं करने वाले नेता की नहीं है बल्कि वह साल भर अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए फैसले करते रहते हैं और उन पर अमल भी करके अपने सभी संकल्पों को सिद्ध भी करते हैं। तभी आज जब विश्व तमाम तरह की चुनौतियों से जूझ रहा है और कई बड़े देश आर्थिक मंदी का सामना कर रहे हैं और कई देश कंगाली के रास्ते पर हैं, ऐसे समय में भी भारत ना सिर्फ तेज तरक्की कर रहा है बल्कि आगे आने वाले समय में भी भारत की ही सर्वाधिक तीव्र तरक्की की घोषणाएं विश्व बैंक और आईएमएफ जैसी संस्थाएं कर रही हैं।

इस बार के बजट को देखें तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की सराहना की जानी चाहिए कि तमाम वैश्विक चुनौतियों के बीच उन्होंने विकास को गति प्रदान करने वाला बजट बनाया और हर वर्ग की उम्मीदों को कहीं ना कहीं पूरा किया। आम बजट दूरदर्शी सोच वाला, वृद्धि और समावेशन को बढ़ाने वाला है जिससे भारत 'विश्व गुरु' बनने की दिशा में आगे बढ़ेगा। खासतौर पर भारत सरकार ने लोक लुभावन घोषणाओं से बचते हुए जिस तरह वित्तीय अनुशासन कायम किया है वह बेहद सराहनीय है। आम बजट से आय अर्जित करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को तत्काल लाभ मिलेगा और वित्तीय समावेशन भी बढ़ सकेगा। यह हर भारतीय की प्रति व्यक्ति आय को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने की नींव भी रखेगा। सरकार ने यदि इसे अमृत काल का पहला बजट बताया है तो इसमें कहीं कोई अतिश्योक्ति नहीं है। घरेलू विनिर्माण, रोजगार सृजन और कारोबारी सुगमता, डिजिटल इंडिया को बढ़ावा, करों का सरलीकरण, सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाले एमएसएमई और कृषि क्षेत्र को राहत प्रदान करना, शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे, रक्षा आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए पर्याप्त बजटीय आवंटन दर्शाता है कि किस तरह भारत के हर वर्ग और क्षेत्र की उम्मीदों को बरकरार रखा गया है। यह बजट आत्मनिर्भर भारत को भी बढ़ावा देगा क्योंकि घरेलू कंपनियों को काफी प्रोत्साहन दिया गया है।

साथ ही मोदी सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 10 लाख करोड़ रुपये और रेलवे के लिए 2.40 लाख करोड़ रुपये की पूंजीगत व्यय का बजट प्रस्ताव किया है जिससे निश्चित रूप से देश के औद्योगिक विकास को पंख लगेंगे। एमएसएमई के लिए 9,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त परिव्यय के साथ संशोधित ऋण गारंटी योजना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स व थ्रीडी प्रिंटिंग सरीखी आधुनिक तकनीकों में युवाओं के कौशल विकास को बढ़ावा देने के बजट प्रस्ताव भी सराहनीय हैं। इसके अलावा बजट प्रावधानों के जरिये देश को हरित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाना भी सरकार का स्वागतयोग्य कदम है। बजट में छोटे उद्योगों के लिए ऋण और कार्यशील पूंजी के पर्याप्त इंतजाम पर खास ध्यान देकर सरकार ने इस क्षेत्र की एक बड़ी चिंता को भी दूर किया है।

## 02 फरवरी का इतिहास

आज इस आर्टिकल में हम आपको 02 फरवरी का इतिहास – के बारे में बताने जा रहे है. हमारा इतिहास इतना बड़ा है कि इसे याद रख पाना किसी आम इंसान के बस की बात नहीं है. इसीलिए हमारी वेबसाइट पर हम आपको हर रोज यानी तारीख के हिसाब से आज की दिन घटित हुई घटनाओं का विवरण दे रहे है जिसकी मदद से आप अपने ज्ञान को बढ़ा सकते है।

स्कॉटिश आविष्कारक 'जेम्स वाट' का जन्म 19 जनवरी 1736 में हुआ था। ।

फ्रांसीसी फ़ौजों ने हॉलैंड को आज ही के दिन 1795 में तबाह किया।

लेखक 'एडगर एलन पो' का जन्म 19 जनवरी 1809 में हुआ था।

स्पेन ने बेलिंगटन के ड्यूक के नेतृत्व में आज ही के दिन 1812 में कई महत्त्वपूर्ण शहरों पर कब्ज़ा किया।

यमन के शहर अदन को 19 जनवरी 1839 में जीत ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने लिया।

मराठी भाषा के सुप्रसिद्ध साहित्यकार विष्णु सखाराम खांडेकर का जन्म 19 जनवरी 1898 में हुआ था।

नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्र नाथ टैगोर के पिता और भारतीय चिंतक, विचारक देवेन्द्र नाथ टैगोर निधन 19 जनवरी 1905 में हुआ था।

बोलिविया तथा जर्मनी के वाणिज्यिक तथा दोस्ताना समझौता आज ही के दिन 1910 में समाप्त हुआ।

बोलेविको ने पेट्रोगाड स्थित संविधान सभा को आज ही के दिन 1918 में भंग कर दिया।

फ़िल्म जगत के मशहूर उर्दू शायर कैफ़ी आज़मी का जन्म 19 जनवरी 1919 में हुआ।

फ्रांस में अलेक्जेंडर मिलरैंड ने आज ही के दिन 1920 में सरकार का गठन किया।

1920 में संयुक्त राष्ट्र संघ के पाँचवें महासचिव ज़ेवियर पेरिज डी कुईयार का जन्म 19 जनवरी 1920 में हुआ था ।

मध्य अमेरिकी देशों ग्वाटेमाला, अल सल्वाडोर, होंडुरस तथा कोस्टारिका ने समझौते पर आज ही के दिन 1921 में हस्ताक्षर किये।

ब्रिटेन ने अपनी सेना को चीन भेजने का निर्णय 19 जनवरी 1927 में लिया।

बंगाली फ़िल्म अभिनेता सौमित्र चटर्जी का जन्म 19 जनवरी 1935 में हुआ था।

जनरल फ्रांसिस्को फ्रैंको के समर्थक सैनिकों ने वैलेसिया और बार्सीलोना शहरों पर आज ही के दिन 1938 में बमबारी की, जिससे 900 लोगो की जाने गयी।

अफ्रीकी देश सूडान के कसलफ पर ब्रिटेन की सेना ने 19 जनवरी 1941 में कब्जा किया।

आज ही के दिन 1942 के 'द्वितीय विश्वयुद्ध' के दौरान जापान ने बर्मा (वर्तमान म्यांमार) पर कब्ज़ा किया।

## चरित्रवान

बचपन से ही मेरी चरित्रवान बनने की इच्छा थी। पिताजी ने मुझे शाखा में भी भेजा तथा स्वयं ने भी संस्कारों की सीख दी, उसका प्रभाव यह हुआ कि मैं लगभग चरित्रवान-सा बन गया था यानि मुझे मूल्यों से हटाना सरल नहीं था। मैं सिद्धान्तों पर अडिग रहता था। कई बार तो मेरी जिद के सामने बाद में पिताजी तक को दिक्कत होने लगी। उन्हें गुस्सा आता कि उन्होंने मुझे इतना जबरदस्त चरित्रवान क्यों बना दिया। वे कहते कि बेटा! थोड़ा व्यावहारिक बनने की भी आवश्यकता है, अन्यथा तुम्हें जीवन में भूखों मरने की नौबत आ सकती है। मैं कहता कि तो क्या हुआ, मूल्यों की रक्षा के लिए भूखों मर जाना भी श्रेष्ठ मानता हूँ। उन दिनों देश में भ्रष्टाचार का शुभारंभ हो चुका था। हर राजनेता भ्रष्टाचार से सम्पत्ति अर्जित कर धनाढ्य बनने की होड़ में लगा था। पिताजी ने मुझे अपने कमरे में बुलाया और कहा-'बेटा! देख रहे हो देश की हालत क्या हो रही है? लोग इसे अपने चारों हाथ-पाँवों से लूट रहे हैं। मुझे एक पल गौर से देखो और अपने जीवन का रास्ता चुन लो।' मैंने पिताजी को देखा-फटी धोती, तार-तार कुर्ता, टूटी चप्पलें तथा मोटे फ्रेम के चश्मे में वे भारतीय गरीब का पर्याय थे। मुझे लगा क्या ये इसी विपन्नता में मर जायेंगे। तभी चरित्र ने जोर मारा-जीवन में अपने सद्चरित्र से ही आदमी को अपनी जीविका चलानी चाहिए। जब पिताजी ने इस मूल्य को नहीं त्यागा तो मुझे इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहिए। तभी मन का विरोधी बोला-'भूखों मर जाओगे, भाई-बहिनों की पढ़ाई-लिखाई, शादी ब्याह कुछ भी नहीं हो पायेगा।

जिन्दगी की रेस में बढना है तो भ्रष्टाचार में लग जाओ।' तभी पिताजी बोले-'बेटा ! तुम्हारे भीतर जो द्वंद्व चल रहा है उसे मैं समझता हूँ, लेकिन प्रैक्टिकल हुए बिना जीवन नैया पार नहीं लगेगी। मैं चरित्र की अपनी सारी शिक्षायें विड्रा करता हूँ। हो सके तो इस घर को भुखमरी से निकाल लो।' मेरी आँखें आश्चर्य से खुली रह गईं, उनके मुख से यह बात सुनकर। उनकी आँखों में आंसू भरे थे। उनकी चाह को मैं भली प्रकार से समझ सकता था। मैं बोला-'यह आप क्या कह रहे हैं पिताजी। चरित्र और सिद्धान्त मेरी रग-रग में समा चुका है। अब इसे आसानी से विड्रा नहीं किया जा सकता। जब पेट ईमानदारी से भर सकता है तो बईमानी की क्या आवश्यकता है?' 'बेटा! अकेले पेट का सवाल नहीं है, अब जरूरतें इतनी बढ़ गयी हैं कि उसके अनुसार तुम नहीं बन पाये तो मुझे दुःख होगा। हालांकि गलती मेरी ही है। लेकिन बेटा पहले का जमाना वही था। नये जमाने को और नये मूल्यों को समझने की आवश्यकता है। मैं नहीं चाहता कि तुम भी मेरी ही तरह घुट-घुट कर मरो। चरित्र समय की आवश्यकता नहीं है।' 'मैं आपका आशय समझ नहीं पा रहा?' 'अभी समझाता हूँ बेटा। देखो चुनाव नजदीक है-मैं चाहता हूँ कि तुम राजनीति में चले जाओ। इसमें तुम जल्दी ही प्रेक्टिकल बन जाओगे। सारे चरित्र पर पानी फिर जायेगा। मेरी आत्मा को शांति मिलेगी तथा तुम अच्छा कमा-खा लोगे। राजनीति में जमने के लिए चरित्र को त्यागना पड़ता है तथा थूककर चाटना पड़ता है।' इतना कहकर वे चले गये और मैं ठंडा पड़ गया। काटो तो खून नहीं। निश्चित नहीं कर पा रहा था कि राजनीति में जाऊँ या नहीं। क्योंकि चरित्र, संकट बन चुका था।

## राहुल से जुड़ता भारत

राहुल गांधी और कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' समाप्त हुई। यात्रा 4000 किलोमीटर से अधिक रही। यदि जनता पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष चंद्रशेखर की पदयात्रा को 'अतीत' मान लिया जाए, तो इतना पैदल सफर किसी अन्य राजनीतिज्ञ ने तय नहीं किया। इसका पूरा श्रेय राहुल गांधी की मानसिक दृढ़ता और इच्छा-शक्ति को जाता है। उन्होंने श्रीनगर के ऐतिहासिक 'लाल चौक' पर तिरंगा फहराया। राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। राष्ट्रगान भी गाया। अंततः भारतीयता सम्मानित हुई। श्रीनगर में एकदम शांति और सद्भाव का माहौल लगा। कोई पत्थरबाजी नहीं की गई। हुर्रियत का अलगाववाद समाप्त किया जा चुका था। आतंकवाद को भी कुचला जा रहा है। चारों ओर 'तिरंगा' लहरा रहा था। पाकिस्तान का झंडा नदारद रहा। भाजपा के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने जब 26 जनवरी, 1992 को 'लाल चौक' पर तिरंगा फहराया था, तो चारों ओर बम, बारूद और बंदूकें ही थीं। अब माहौल पूरी तरह बदला है, राहुल गांधी को यह यथार्थ स्वीकार करना चाहिए और अनुच्छेद 370 पर विवादित बयान देने से बचना चाहिए।

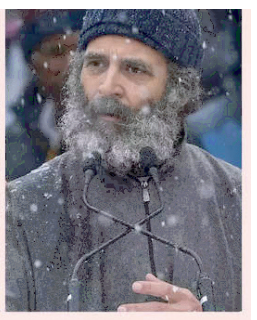

भारत की संसद ने यह निर्णय लिया था कि 370 को खारिज किया जाए। राहुल ने बार-बार यह उल्लेख किया है कि भारत मुहब्बत और भाईचारे का देश है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस पर हिंसा और नफरत के लगातार आरोप भी मढ़े हैं। राहुल ने यह भी कबूल किया है कि यात्रा के दौरान उन्हें नफरत और हिंसा कहीं नहीं दिखाई दिए। इससे बड़ा यात्रा का विरोधाभास और क्या हो सकता है? उनकी यह टिप्पणी बिल्कुल गैर-जिम्मेदाराना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने हिंसा कराई। राहुल ने यह टिप्पणी कश्मीर में एक सार्वजनिक मंच से की, जिसका दुरुपयोग पाकिस्तान कर सकता है। सवाल है कि किन साक्ष्यों के आधार पर देश के प्रधानमंत्री के खिलाफ राहुल गांधी इस निष्कर्ष तक पहुंचे? किस अदालत में प्रधानमंत्री के खिलाफ आपराधिक केस विचाराधीन है या कौन जांच कर रहा है? प्रधानमंत्री भी सामान्य कानून की परिधि में आते हैं।

दरअसल यह राहुल की और कांग्रेस की मानसिक, पूर्वाग्रही धारणा हो सकती है। यदि राहुल कांग्रेस के शासन-काल का इतिहास पढ़ें, तो परत-दर-परत सच सामने खुल जाएगा कि उस दौर में कितने दंगे हुए? कितने भारतीय मार दिए गए? कितना उग्र और व्यापक आतंकवाद था? सिर्फ भाजपा-संघ को कोस कर और खोखले आरोप मढ़ कर राहुल और कांग्रेस, किसी भी स्तर पर, देश को जोड़ नहीं सकते। पाखंड या दावे जरूर किए जा सकते हैं। बेशक इस तथ्य को स्वीकार न किया जाए, लेकिन यह राहुल गांधी के राजनीतिक ब्रांड की यात्रा थी। यह प्रभाव पैदा करने में राहुल और कांग्रेस सफल रहे हैं कि राजनीतिक तौर पर वह परिपक्व हो रहे हैं। अब वह पलायनवादी नहीं रहे। बेशक राहुल की छवि का विस्तार हुआ है, उसमें काफी सुधार हुआ है। यह भी सुखद संकेत है कि जहां से यात्रा गुजरती रही, वहां कांग्रेस का काडर सक्रिय दिखाई दिया। यानी कांग्रेस का संगठन अब भी ज़िंदा है, बेशक सुप्तावस्था में चला गया था। कांग्रेस अपने काडर को कितना जोड़ कर, सक्रिय और ज़िंदा रख पाती है, यह देखना अभी शेष है। लेकिन यात्रा के दौरान मिला चौतरफा समर्थन चुनावी जनादेश में परिणत होगा या नहीं, लोकसभा में सांसदों का आंकड़ा क्या होगा और 10 से अधिक राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन कैसा रहेगा, ये यथार्थ अभी सामने आने हैं।

## बेरोजगारी की समस्या एवं समाधान

हाल ही में हिमाचल में संपन्न हुए चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में राज्य में एक लाख रोजगार के अवसर सृजित करने का वादा किया था। यह कांग्रेस की दस गारंटियों में से एक है और उसको पूरा करने के लिए एक मंत्रिमंडलीय उपसमिति गठित की है । उद्योग मंत्री श्री हर्षवर्धन चौहान इसके अध्यक्ष हैं। बेरोजगारी की समस्या पूरे भारत में एक गंभीर तथा जटिल समस्या है। समय और अन्य प्राकृतिक आपदाओं जैसे कोविड के साथ-साथ यह और भी जटिल होती जा रही है। बेरोजगारी व्यक्ति के लिए निर्धनता, समाज के लिए अपमानजनक तथा राष्ट्र के लिए मानवीय संसाधन की हानि का प्रतीक है। बेरोजगार वे व्यक्ति होते हैं जो पन्द्रह से साठ वर्ष की आयु वर्ग में होते हैं और वे काम करने के इच्छुक हैं, पर उनके पास काम नहीं होता। जनवरी 2022 में सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनामी ने रोजगार संबंधी आंकड़े जारी किए जिसमें भारत की बेरोजगारी दर 8.3 प्रतिशत रही जो पिछले 16 महीनों में सबसे ऊंची दर रही। बेरोजगारी दर शहरी क्षेत्रों में दिसंबर माह में 10.09 प्रतिशत रही जो नवंबर में 8.96 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में यह 7.44 प्रतिशत और 7.55 प्रतिशत रही। बेरोजगारी शहरी क्षेत्रों में बढ़ी है और ग्रामीण क्षेत्रों में घटी है। हिमाचल में यह दर 7.6 प्रतिशत रही जो चिंताजनक है। इस समय हिमाचल प्रदेश में 12 लाख से ज्यादा बेरोजगार हैं। बेरोजगारी के निवारण के लिए हिमाचल प्रदेश को ठोस नीति की आवश्यकता है। इसके लिए वेतनभोगी नौकरियों के साथ-साथ स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने हैं। छोटे तथा मध्यम व्यवसायों को प्रोत्साहन देना है। इसके लिए इन्हें सस्ती दर में साख उपलब्ध करवानी है।

इससे इनकी उत्पादन तथा बेचने की क्रियाएं बढ़ जाएंगी और इससे असंगठित क्षेत्र के कामगारों के हाथ में पैसा आएगा और वो अपनी जरूरी खरीददारी करके संबंधित कंपनियों की आय तथा उत्पादकता बढ़ाने में सहायक होंगे। इससे और अधिक रोजगार के अवसर पैदा होंगे। हिमाचल प्रदेश में वेतनभोगी रोजगार या नौकरियां भिन्न-भिन्न विभागों में खाली पड़े पदों पर पारदर्शी प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से नियुक्तियों के द्वारा दी जा सकती हैं। इसके लिए बेरोजगार युवा पिछले कई वर्षों से प्रदर्शन करते रहे हैं। यह खाली पद हजारों की संख्या में स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, परिवहन, शिक्षा, ग्रामीण विकास, लोक निर्माण विभाग, कृषि और बागवानी, आयुर्वेद, पशुपालन और राजस्व विभाग आदि में खाली पड़े हैं। इन खाली पदों के होने से जनता के काम सुचारू रूप से नहीं होते जिसके लिए जनता ने कई बार प्रदर्शन करके सरकार के ध्यान में लाया था। हिमाचल प्रदेश में वेतनभोगी रोजगार के साधन सीमित हैं परंतु गैर वेतनभोगी रोजगार या स्वरोजगार की अपार संभावनाएं हैं जो कृषि एवं बागवानी क्षेत्र, पर्यटन के क्षेत्र, हाइड्रो पावर परियोजनाओं तथा खनिज क्षेत्र में वेतनभोगी एवं स्वरोजगार दोनों तरह के रोजगार सरकार की सही नीति निर्धारण के द्वारा बेरोजगारों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जा सकते हैं। जो जमीन खाली या बंजर पड़ी है उसको कृषि योग्य बनाया जाए। उसमें फलदार पौधे तथा सब्जियां लगाई जाएं। इसके लिए कृषि विज्ञान केंद्रों की सहायता ली जाए और वहां के लोकल युवाओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार प्राप्त करने में सहायता करें।

हिमाचल की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां पर बहुत जगहों पर बेमौसमी सब्जियां होती हैं। सरकार को इनके भंडारण तथा मंडियों में पहुंचाने तथा उनके विक्रय करने में सहायता करने के लिए सहकारी समितियां बनाने में सहायता करनी चाहिए ताकि वहां के लोकल बेरोजगारों को इसमें स्वरोजगार मिल सके। टमाटर, आलू, अदरक, लहसुन, आम, किन्नु, संतरा, लीची, गलगल, नींबू, नाशपाती, प्लम, खुमानी, चैरी और सेब आदि हिमाचल में बहुत मात्रा में होते हैं। इससे तरह-तरह के उत्पाद बनाए जा सकते हैं जैसे चटनी, अचार, जूस आदि। इसके लिए सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योग लगाने के लिए वहां के लोकल बेरोजगारों को सस्ती दर पर साख तथा तकनीकी ज्ञान उपलब्ध करवाकर स्वरोजगार के अवसर पैदा किए जा सकते हैं। हिमाचल में दूध का उत्पादन बहुत होता है। इसको इक_ा करके इससे बहुत से उत्पाद बनाए जा सकते हैं जिसके लिए सहकारी समितियां बनाकर स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार दिया जा सकता है। इसके अलावा रेशम उत्पादन, मुर्गी पालन, मछली पालन, मशरूम उत्पादन में सरकार युवाओं को प्रशिक्षण देकर तथा सस्ती साख देकर स्वरोजगार के अवसर पैदा कर सकती है। हिमाचल में तरह-तरह की जड़ी-बूटियां होती हैं। इनसे तरह-तरह की दवाइयां बनती हैं। इनको जंगलों से इक_ा करने के लिए स्थानीय युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है और सुविधा अनुसार भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में उद्योग लगाए जा सकते हैं। इसके लिए आयुर्वेदिक तथा उद्योग विभाग की भूमिका अति आवश्यक होगी।

ब्रीफ न्यूज

## बजट से कितनी ताकतवर होगी मोदी सरकार, इसके सियासी मायने क्या? जानें भाजपा को कितना फायदा

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने 5वें और देश के 75वें बजट में कई बड़े एलान किए। गरीब से लेकर मध्यम वर्ग तक का इस बजट में खास ख्याल रखा गया। अपने एक घंटे 27 मिनट के भाषण में वित्त मंत्री ने पूरे देश को यह भरोसा दिलाने की कोशिश की है कि अब तक सबकुछ सही रहा और अब आने वाले दिनों में भी विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। उन्होंने यह भी बता दिया कि कोरोनाकाल और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते पूरी दुनिया में आर्थिक संकट की स्थिति है। इसके बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। भारत की विकास दर अन्य सभी देशों से अच्छी है और ये आगे भी कायम रहेगी। लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार ने अपने आखिरी पूर्ण बजट में हर वर्ग को साधने की कोशिश की है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर इस बजट के मायने क्या हैं? इससे केंद्र सरकार की उम्मीदें कितनी मजबूत होगी? क्या इसका असर आने वाले चुनाव में भी देखने को मिलेगा? आइए समझते हैं...

1. टैक्स में बड़ी छूट, सात लाख तक की आय पर कोई कर नहीं : मोदी सरकार 2.0 के आखिरी पूर्ण बजट में मध्यमवर्गीय लोगों का सबसे ज्यादा ख्याल रखा गया। सरकार ने बजट में टैक्स छूट का एलान कर दिया। अब सालाना सात लाख रुपए तक की कमाई होने पर किसी तरह का टैक्स नहीं देना होगा। यह छूट सिर्फ नई टैक्स रिजीम के तहत मिलेगी। अभी भी इनकम टैक्स रिटर्न भरने के लिए लोगों के पास दो ऑप्शन बने रहेंगे। अभी तक 2.5 लाख रुपए तक की कमाई टैक्स फ्री थी, इसे बढ़ाकर तीन लाख कर दिया गया है। इसका फायदा देश के करीब 50 करोड़ से ज्यादा लोगों को मिलेगा।

**नई कर व्यवस्था कैसी होगी?**

| आय | टैक्स रेट |
|---|---|
| 0-3 लाख | कोई टैक्स नहीं |
| 3 से 6 लाख | 5% |
| 6 से 9 लाख | 10% |
| 9 से 12 लाख | 15% |
| 12 से 15 लाख | 20% |
| 15 लाख से अधिक | 30% |

आवासीय योजना का बजट 66 फीसदी बढ़ा : बजट में गरीबों के लिए केंद्र सरकार का सबसे बड़ा एलान आवासीय योजना को लेकर हुआ। पिछले साल के मुकाबले सरकार ने इस बार आवासीय योजना के बजट में 66 फीसदी की बढ़ोतरी की है। पिछली बार आवासीय योजना के 48 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। इसके जरिए देशभर में ग्रामीण और शहरी इलाकों में कुल 80 लाख घरों का निर्माण किया गया। पीआईबी की एक अधिसूचना के अनुसार, तीन जनवरी, 2022 तक कुल 1.14 करोड़ घरों के निर्माण को मंजूरी दी गई थी, जिनमें से 53.42 लाख घरों का निर्माण और वितरण किया जा चुका है। अधिसूचना में कहा गया है कि नई तकनीकों का उपयोग करके 16 लाख घरों का निर्माण किया जा रहा है।

3. गरीब परिवार को अगले साल तक मुफ्त राशन : केंद्र सरकार ने सभी अंत्योदय और प्राथमिकता परिवारों को अगले साल यानी 2024 तक मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का एलान किया है। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये का बजट रखा गया है।

किसानों के लिए भी बड़े एलान : वित्त मंत्री ने किसानों के लिए भी कई बड़े एलान किए। इसके तहत इस साल 20 लाख करोड़ तक किसानों को क्रेडिट कार्ड के जरिए ऋण बांटने का लक्ष्य रखा गया है। इससे लाखों किसानों को फायदा होगा। इसके अलावा किसानों के लिए अब किसान डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म तैयार किया जाएगा। यहां किसानों के लिए उनकी जरूरत से जुड़ी सारी जानकारी उपलब्ध होगी। केंद्र सरकार ने मत्स्य संपदा की नई उपयोजना में 6000 करोड़ के निवेश का फैसला लिया है।

युवाओं के लिए क्या एलान हुआ? : बजट में रोजगार या नौकरी शब्द का सिर्फ चार बार प्रयोग किया गया। वित्त मंत्री ने पीएम कौशल विकास योजना 4.0 वर्जन लॉन्च करने की बात कही। उन्होंने कहा कि युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नौकरियों के लिए तैयार करने के लिए 30 स्किल इंडिया सेंटर खोले जाएंगे। नेशनल एप्रेंटिसशिप स्कीम के तहत 47 लाख युवाओं को सपोर्ट देने के लिए तीन साल तक भत्ता देने की बात भी कही।

# मोदी सरकार 2.0 का आखिरी पूर्ण बजट, 10 ग्राफिक्स में देखें किसे-क्या मिला

मोदी सरकार 2.0 का आखिरी पूर्ण बजट पेश हो चुका है। इसमें अलग-अलग मंत्रालयों-विभागों से लेकर केंद्रीय योजनाओं के लिए आवंटन की घोषणा की गई है। ऐसे में हम आपको बजट की विस्तृत जानकारी सिर्फ 12 इन्फोग्राफिक्स के जरिए दे रहा है।

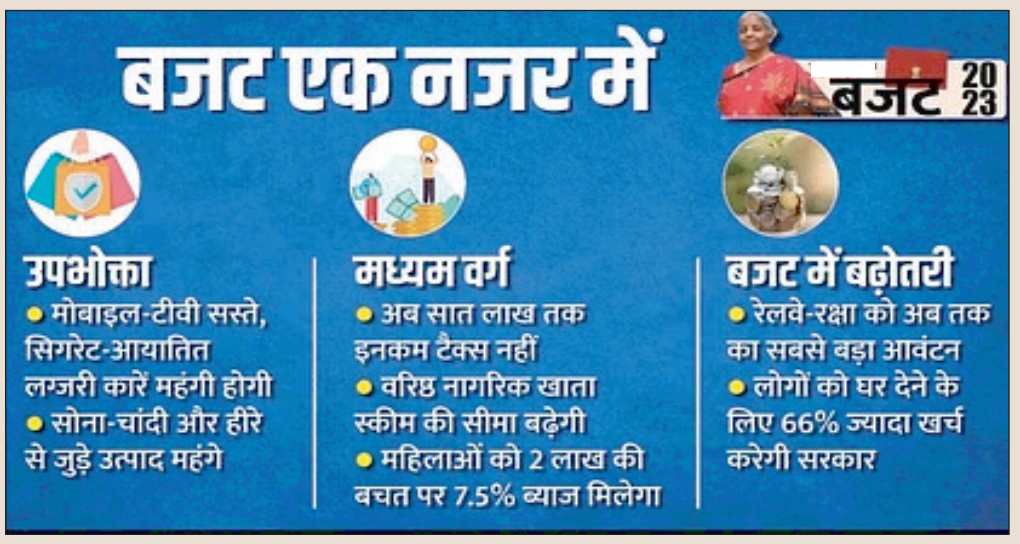


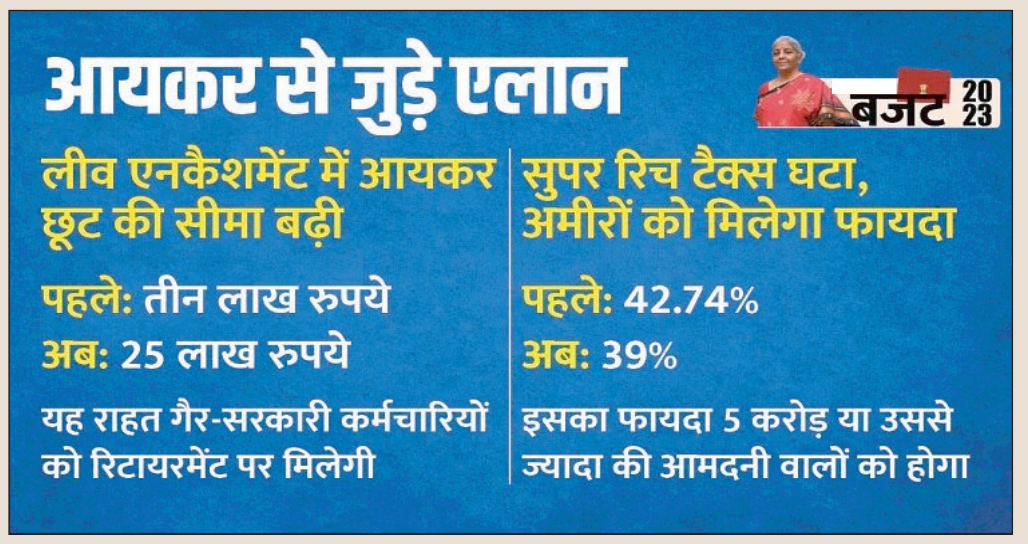

| 2022 सालाना आय | टैक्स | 2023 सालाना आय | अब टैक्स |
|---|---|---|---|
| 0-2.50 लाख | कुछ नहीं | 0-3 लाख | कुछ नहीं |
| 2.5-5 लाख | 05% | 3-6 लाख | 05% |
| 05-7.50 लाख | 10% | 6-9 लाख | 10% |
| 7.50-10 लाख | 15% | 9-12 लाख | 15% |
| 10-12.50 लाख | 20% | 12-15 लाख | 20% |
| 12.50- 15 लाख | 25% | 15 लाख+ | 30% |
| 15 लाख + | 30% | | |

| कमाई | पहले टैक्स | अब टैक्स |
|---|---|---|
| 07 लाख | 32,500 | 00 |
| 08 लाख | 45,000 | 35,000 |
| 09 लाख | 60,000 | 45,000 |
| 10 लाख | 75,000 | 60,000 |
| 12 लाख | 1,15,000 | 90,000 |
| 15 लाख | 1,87,500 | 1,50,000 |

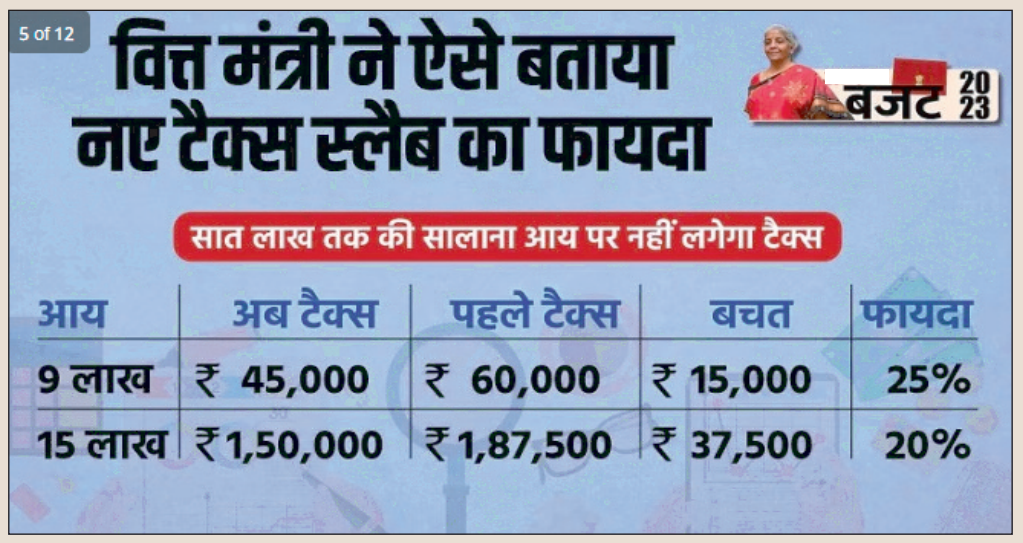


| आय | अब टैक्स | पहले टैक्स | बचत | फायदा |
|---|---|---|---|---|
| 9 लाख | ₹ 45,000 | ₹ 60,000 | ₹ 15,000 | 25% |
| 15 लाख | ₹ 1,50,000 | ₹ 1,87,500 | ₹ 37,500 | 20% |

| मंत्रालय | 2023-24 | 2022-23 | इजाफा (लगभग) |
|---|---|---|---|
| रेल | 2.41 लाख करोड़ | 1.4 लाख करोड़ | 71% |
| रक्षा | 5.94 लाख करोड़ | 5.25 लाख करोड़ | 13% |
| शिक्षा | 1.12 लाख करोड़ | 1.04 लाख करोड़ | 07% |
| कृषि | 1.25 लाख करोड़ | 1.24 लाख करोड़ | 01% |
| स्वास्थ्य | 0.86 लाख करोड़ | 0.83 लाख करोड़ | 03% |

सरकार ने बजट में पूंजीगत व्यय 33% बढ़ाकर 10 लाख करोड़ किया

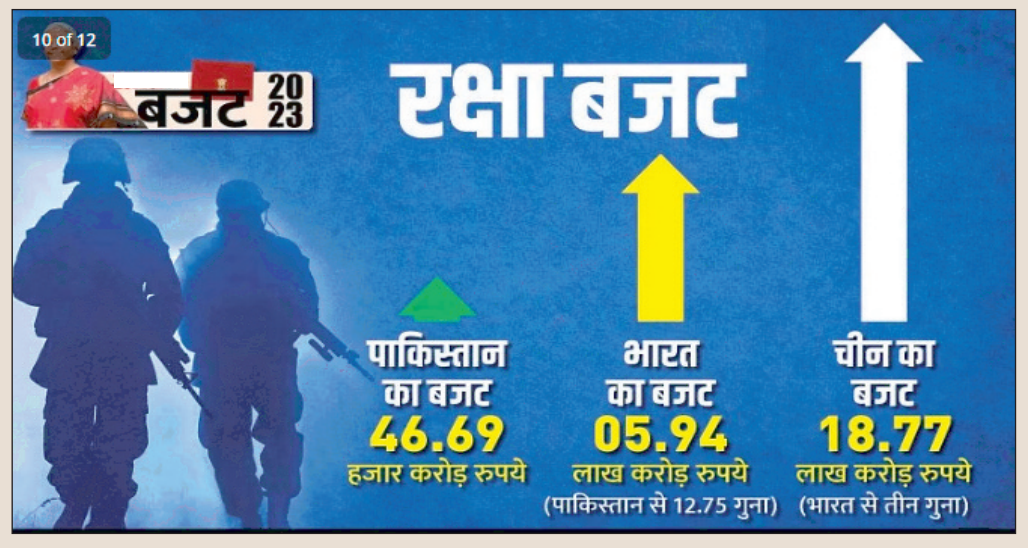

| तारीख | सेंसेक्स |
|---|---|
| 29 फरवरी 2016 | -0.66% |
| 1 फरवरी 2017 | +1.76% |
| 1 फरवरी 2018 | -0.16% |
| 1 फरवरी 2019 | +0.59% |
| 5 जुलाई 2019 | -0.99% |
| 1 फरवरी 2020 | -2.43% |
| 1 फरवरी 2021 | +4.7% |
| 1 फरवरी 2022 | +1.46% |
| 1 फरवरी 2023 | +0.27% |

# आम बजट से खुश नहीं हैं हिमाचल के सेब उत्पादक, जानिए किन उम्मीदों पर फिरा पानी

एनटीवी न्यूज

हिमाचल प्रदेश में सेब की अर्थव्यवस्था 5 हजार करोड़ रुपये की है। 2.5 लाख परिवार सीधे तौर पर इस पर निर्भर हैं। सेब उत्पादकों का कहना है कि बजट में फलों का आयात शुल्क और जीएसटी में कमी का कोई जिक्र नहीं है।

**शिमला:** एक सेब उत्पादक संघ के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 का आम बजट हिमाचल प्रदेश के सेब उत्पादकों की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें फलों पर आयात शुल्क और जीएसटी में कमी का कोई जिक्र नहीं है। फल, सब्जी उत्पादक संघ के अध्यक्ष, हरीश चौहान ने बताया कि पैकिंग सामग्री, कृषि उपकरण, कीटनाशक, कवकनाशी, ड्रिप सिंचाई और पॉली हाउस पर 18-28 प्रतिशत जीएसटी कम नहीं होने व सेब पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी का कोई उल्लेख नहीं होने से सेब उत्पादक निराशा हैं।

चौहान ने कहा कि पिछले बजट में 1,900 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के मुकाबले वर्तमान बजट में बागवानी मिशन का आवंटन बढ़ाकर 2,200 करोड़ रुपये करना बेहद मामूली बढ़ोतरी है और इसे कम से कम 4,000-5000 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जाना चाहिए था। सेब उत्पादकों के संघ का कहना है कि हिमाचल में सेब की अर्थव्यवस्था 5,000 करोड़ रुपये की है और 2.5 लाख परिवार सीधे तौर पर इसपर निर्भर हैं।

**वित्तमंत्री को मांगों से कराया था अवगत**

उन्होंने कहा, 'हमें बजट से बहुत उम्मीदें थीं और बजट-पूर्व चर्चा के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री को हमने अपनी मांगों से अवगत कराया था, लेकिन कुछ भी ठोस नहीं निकला।' उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि (6,000 रुपये प्रति वर्ष) भी नहीं बढ़ाई गई है। और इसके विपरीत, सम्मान निधि के लाभ को बेअसर करने के लिए कृषि क्षेत्र पर कर लगाया गया है।

उन्होंने कहा कि बजट में किसानों को 20 लाख करोड़ रुपये के ऋण का प्रावधान किया गया है, लेकिन हमें कर्ज की जरूरत नहीं है। हमारी मांग किसानों को कर्ज के बोझ से मुक्त करने के लिए एकमुश्त निपटान में ऋण/ब्याज माफ करने की थी। हालांकि, उन्होंने मोटा अनाज (श्री अन्न योजना) और डिजिटल फसल योजना के लिए वैश्विक केंद्र बनाने की पहल का स्वागत किया।

**'एमआईएस लागू करने की मांग पूरी नहीं'**

हिमाचल किसान सभा ने बजट को निराशाजनक करार दिया। सभा के अध्यक्ष कुलदीप तंवर ने कहा कि हिमाचल किसान सभा ने भी सेब उत्पादकों की सेब पर आयात शुल्क 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने व ग्रेड ए, ग्रेड बी और ग्रेड सी के सेबों के दाम क्रमशः 60 रुपये, 44 रुपये और 24 रुपये प्रति किलोग्राम करते हुए, कश्मीर की तर्ज पर बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) लागू करने की मांग को पूरा नहीं किया गया है।

**'छोटे और मझोले किसानों के लिए सब्सिडी सराहनीय'**

प्रोग्रेसिव ग्रोअर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष लोकिंदर बिष्ट ने कहा कि 'बजट सेब उत्पादकों की प्रमुख मांगों को पूरा करने में विफल रहा है, लेकिन महंगी बागवानी फसलों पर ध्यान देना सही दिशा में उठाया गया कदम है। शीत भंडारण और अन्य सुविधाओं के लिए छोटे और मझोले किसानों के लिए सब्सिडी सराहनीय है।'

संयुक्त किसान मंच (एसकेएम) के बैनर तले राज्य में सेब उत्पादकों ने जीएसटी में वृद्धि के खिलाफ आंदोलन किया था, जिससे पिछले साल पैकिंग सामग्री और अन्य सामान पर लागत में वृद्धि हुई थी। आंदोलन का वर्ष 2022 में हुए विधानसभा चुनावों पर भी असर पड़ा क्योंकि यह चुनावी मुद्दा बन गया था।

# 'आम बजट अमीरों का Budget', कांग्रेस बोली- BJP सरकार की लोकलुभावन नीति... बेरोजगारों के लिए कुछ नहीं

बुधवार को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल का अंतिम पूर्ण आम बजट संसद में पेश किया। बीजेपी के नेता इस बजट को जहां अब तक पेश किए गए सभी बजट से बेहतर बता रहे हैं। वही कांग्रेस ने इसे अमीरों का बजट करार दिया है।

**पटना:** बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किए गए अंतिम पूर्ण बजट को पूरी तरह से निराशाजनक और फीका बताया है। उन्होंने कहा कि सदन में बुधवार को पेश किए गया आम बजट राज्य समेत देश की जनता के आशाओं पर पानी फेरने वाला रहा। क्योंकि टैक्स स्लैब में छूट तब प्रासंगिक होता जब कोरोना से बेरोजगार हुए लोगों के रोजगार के लिए यह सरकार बजट में कुछ विशेष प्रावधान करती। अखिलेश प्रसाद सिंह ने आम बजट को अमीरों का बजट बताया।

डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि छोटे और मंझोले व्यवसायियों के लिए इस बजट में कुछ नहीं है। वहीं बिहार जैसे पिछड़े राज्य के लिए इस बजट में विशेष पैकेज की भी घोषणा नहीं की गई। कांग्रेसी नेता ने कहा कि बिहार के लिए रेलवे जीवन रेखा है। लेकिन बीजेपी के इस आम बजट में बिहार में कोई नई रेल परियोजना या आमजन के लिए नई ट्रेनों की योजना का नहीं होना निराशाजनक है।

**चुनावी राज्यों को देख कर बनाया गया है यह बजट**

कांग्रेसी नेता अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि देश में जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। उनके अनुसार, बजट को बनाना भाजपा की नीति बताती है कि वो चुनावी बजट बनाकर लोकलुभावन रूप में पेश कर रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 8 साल से मोदी सरकार जनित बेरोजगारी सहित कोरोना से उपजे 9 करोड़ बेरोजगारी को दूर करने के लिए बजट में विशेष प्रावधान का न होना आश्चर्यजनक है। इसके अलावा अखिलेश प्रसाद सिंह ने उद्योगपति अडानी ग्रुप पर भी हमला बोला।

उन्होंने कहा कि अडानी ग्रुप की वजह से एलआईसी सहित भारतीय बैंकों के पैसे डूब गए। बावजूद इसके प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री ने अपने पूंजीपति मित्रों के लिए बजट में केवल विशेष प्रावधान लाकर पैसे जुटा रहे हैं ताकि आम लोगों की गाढ़ी कमाई को लूटने में उनके मित्रों को आसानी हो। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने यह भी कहा कि केंद्र की मोदी सरकार बजट से लेकर अपनी नीतियों में आम लोगों के खिलाफ ही रहती है।

## इनसाइड

### बागेश्वर धाम सरकार का प्रयागराज में दिव्य दरबार कल, धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री दिखाएंगे चमत्कार

अपने चमत्कार को लेकर काफी चर्चा में रहे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री कल प्रयागराज आ रहे हैं। यहां मेजा में दिव्य दरबार लगाएंगे।

**प्रयागराज:** बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री 2 फरवरी यानी गुरुवार को प्रयागराज आ रहे हैं। धीरेंद्र शास्त्री संगम नगरी प्रयागराज से करीब 40 किलोमीटर दूर मेजा स्थित कुंवर पट्टी गांव में बागेश्वर धाम दरबार लगाएंगे। प्रयागराज के यमुनापार स्थित मेजा के जेवनिया कुंवर पट्टी गांव में पांच दिवसीय मां शीतला कृपा महोत्सव चल रहा है। देवी मंदिर में वार्षिकोत्सव में 2 फरवरी को बागेश्वर धाम के बाबा का सत्संग और दरबार कार्यक्रम है।

**संगम नगरी में धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का हुआ विरोध**

प्रयागराज में आध्यात्म आस्था के संगम माघ मेला में कल्पवास कर रहे साधु-संतों ने धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री का विरोध किया तो कुछ बड़े संतों ने समर्थन भी किया। मेजा में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दिव्य दरबार को लेकर प्रशासन भी असमंजस में था, लेकिन बाद में परमिशन दे दिया। बागेश्वर धाम के दिव्य दरबार में करीब सवा लाख लोगों के जुटने का अनुमान है। जिसको लेकर आयोजक मंडल द्वारा तैयारी चल रही है।

### 4 फरवरी को पेश किया जाएगा बीएमसी का बजट

**मुंबई:** कोरोना संकट से उबर चुकी मुंबई महानगर पालिका का वर्ष 2023-24 का बजट शनिवार बीएमसी कमिश्नर आई एस चहल पेश करेंगे। कोरोना संकट के बीच पेश बीएमसी का वर्ष 2021 और वर्ष 2022 का बजट स्वास्थ्य सेवाओं पर केंद्रित था, लेकिन अब मुंबईकरों को उम्मीद है कि बीएमसी का बजट मूलभूत सुविधाओं को बेहतर करने, सड़क, पानी, यातायात, गार्डन, शिक्षा, स्वास्थ्य, सौंदर्यीकरण व अन्य सुविधाओं को उपलब्ध कराने पर केंद्रित होगा। मुंबईकरों का आर्थिक बजट धीरे-धीरे पटरी पर आ रहा है, इसके बावजूद किसी नए टैक्स के बोझ को उठाने में मुंबईकर सक्षम नहीं हैं। चुनावी साल को ध्यान में रखते हुए इस बार बजट में कोई नया टैक्स लागू करने की आशंका कम ही है। उद्धव ठाकरे सरकार ने मुंबई में 500 वर्ग फुट तक के घरों का सभी टैक्स माफ कर दिया है। इसीलिए चहल को बीएमसी को बूस्ट देने के लिए बजट में कुछ अतिरिक्त करना पड़ेगा। चहल को बजट में ऐसे प्रावधान करने पड़ेंगे, जिससे बीएमसी के खजाने में अतिरिक्त आय का स्रोत बने। पानी पर टैक्स बढ़ोतरी, प्रॉपर्टी टैक्स में बढ़ोतरी जैसी घोषणाओं से राजनीतिक दबाव के कारण चहल पीछे हट गए।

# लोकसभा चुनाव से पहले BMC Election में ताल ठोकेंगे ओपी राजभर, गठबंधन का किया ऐलान

एनटीवी संवाददाता

ओम प्रकाश राजभर ने (OP Rajbhar) ने अब बीएमसी चुनाव (BMC Election 2023) लड़ने का ऐलान कर दिया है। साथ ही उन्होंने अपने गठबंधन के साथी के नाम का भी ऐलान किया है।

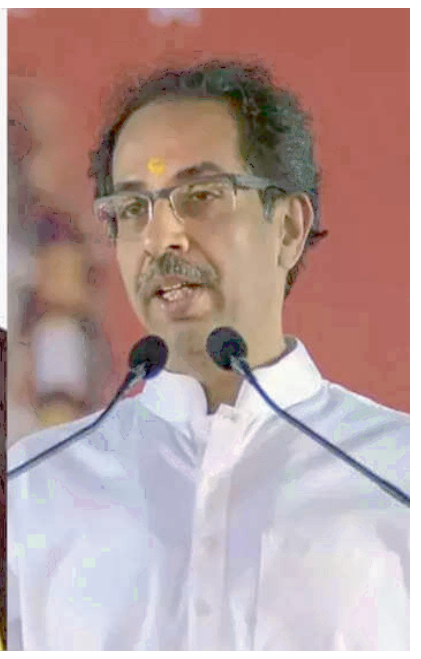

**बलिया:** सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (Suheldev Bharatiya Samaj Party) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर (OP Rajbhar) ने बुधवार को कहा कि वह महाराष्ट्र में बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव (BMC Election 2023) उद्धव ठाकरे (Uddhav Thackeray) के नेतृत्व वाली शिवसेना (Shivsena) के साथ मिलकर लड़ेंगे।

राजभर ने बुधवार को बताया कि उनकी दो दिन पहले शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे से मुंबई में मुलाकात हुई है। उन्होंने कहा कि डेढ़ घंटे की यह मुलाकात सकारात्मक थी जिसमें उनकी ठाकरे से महाराष्ट्र में होने वाले बीएमसी चुनाव को लेकर चर्चा हुई है। उन्होंने दावा किया कि ठाकरे ने बीएमसी चुनाव सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के साथ मिलकर लड़ने पर सहमति जताई है।

**यूपी में शिवसेना का आधार नहीं- राजभर**

यह पूछे जाने पर कि क्या वह उत्तर प्रदेश में 2024 के लोकसभा चुनाव में ठाकरे की शिवसेना के साथ गठजोड़ करेंगे, राजभर ने कहा कि उत्तर प्रदेश में शिवसेना का आधार नहीं है।

**स्वामी प्रसाद मौर्य पर कसा तंज**

रामचरितमानस को लेकर उठे विवाद के संबंध में राजभर ने कहा कि समाजवादी पार्टी को इस विवाद से कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'सपा को स्वामी प्रसाद मौर्य के जरिए कुछ भी हासिल नहीं होगा। मौर्य जनाधार वाले नेता नहीं हैं। अगर वह जनाधार वाले नेता होते तो विधानसभा चुनाव नहीं हारते। उन्हें विधान परिषद के पिछले दरवाजे से सदन में नहीं जाना पड़ता।'

**रामचरितमानस पर छिड़ी है रार**

गौरतलब है कि सपा नेता मौर्य ने हाल ही में कथित तौर पर कहा था कि रामचरितमानस के कुछ दोहों में समाज के एक बड़े वर्ग का जाति के आधार पर 'अपमान' किया गया है और इन पर 'प्रतिबंध' लगा देना चाहिए। राजभर ने कहा कि अपने शासनकाल में पिछड़े वर्ग के हितों और पदोन्नति में आरक्षण की अवहेलना करने वाली समाजवादी पार्टी को अन्य पिछड़ा वर्ग का समर्थन नहीं मिलेगा।

# चुनाव में दिए बयान पर परेश रावल की बढ़ी मुश्किलें, कोलकाता पुलिस के खिलाफ पहुंचे हाईकोर्ट, जानिए पूरा मामला

गुजरात विधानसभा चुनावों को संपन्न हुए महीने से अधिक समय हो गया है, लेकिन बॉलीवुड अभिनेता और बीजेपी के पूर्व सांसद परेश रावल के उनका चुनावी बयान पीछा कर रहा है। बयान को लेकर कोलकाता में दर्ज हुई एफआईआर और पुलिस समन के खिलाफ परेश रावल ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया

**अहमदाबाद:** फिल्म अभिनेता और बीजेपी नेता परेश रावल की आने वाले दिनों में मुश्किलें बढ़ सकती है। परेश रावल कोलकाता पुलिस के समन के खिलाफ हाईकोर्ट की शरण ली। रावल ने कोलकाता हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। रावल की अर्जी पर कोलकाता हाई कोर्ट के जस्टिस राज शेखर मंथा दो फरवरी यानी गुरुवार को सुनवाई करेंगे। अगर कोर्ट से रावल को राहत नहीं मिली तो उन्हें कोलकाता पुलिस के सामने हाजिर होना पड़ सकता है। कोलकाता पुलिस ने कम्युनिस्ट पार्टी के नेता की शिकायत पर परेश रावल के खिलाफ मामला दर्ज किया था। उन पर गुजरात की चुनावी रैली में बंगाली समाज के खिलाफ अभद्र भाषा देने का आरोप लगाया गया है।

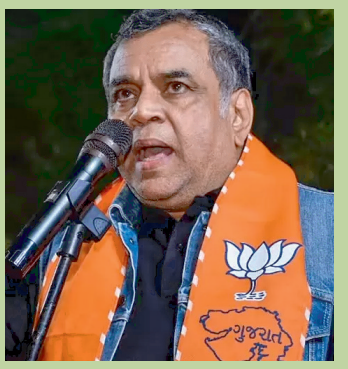

**परेश रावल नहीं हुए थे पेश:** बंगालियों को बांग्लादेशी कहने के मामले में कोलकाता पुलिस ने परेश रावल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कोलकाता पुलिस ने परेश रावल को तलब किया था। लेकिन वह पुलिस के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने पुलिस के सामने पेश होने के लिए और समय मांगा। परेश रावल ने गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान वलसाड की एक रैली में कहा था कि गैस सिलेंडर महंगे हैं, लेकिन उनके दाम कम होंगे, लोगों को रोजगार भी मिलेगा, लेकिन जब रोहिंग्या पर्यटक और बांग्लादेशी आने लगेंगे तो आप क्या करेंगे आपको दिल्ली पसंद है? आप गैस सिलेंडर का क्या करते हैं? बंगालियों के लिए मछली पकाओ? इस बयान के बाद कोलकाता पुलिस ने परेश रावल के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था।

**एनएसडी के हैं प्रमुख:** परेश रावल फिल्म अभिनेता के साथ बीजेपी की टिकट पर जीतकर सांसद भी रहे चुके हैं। वे अहमदाबाद ईस्ट से सांसद चुने गए थे। वे अभी नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के चेयरपर्सन है। चुनावों के वक्त जब परेश रावल का यह बयान सोशल मीडिया काफी वायरल हुआ था। इसके बाद टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा ने भी उन पर पलटवार किया था।

परेश रावल ने इस बयान के बाद माफी भी मांगी थी, लेकिन इसके बाद भी यह विवाद शांत नहीं हुआ था।

# शिमला में एक दिन से ज्यादा रुकना नहीं चाहते पर्यटक, आखिर माजरा क्या है?

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में पर्यटकों की तादाद तो बढ़ रही है, लेकिन उनके रुकने का समय कम हो गया है। पहले जहां पर्यटक यहां 3 से 4 दिन रहते थे, अब पर्यटक एक दिन से ज्यादा यहां रहना पसंद नहीं कर रहे।

**शिमला:** हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में पर्यटकों के रुकने का औसत समय 1970 के दशक के चार-पांच दिन की तुलना में अब सिर्फ एक दिन रह गया है। पर्यटन उद्योग हितधारक संघ (टीआईएसएचए) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। शिमला में पर्यटन और होटल उद्योग की व्यवहार्यता को प्रभावित करने वाले प्रमुख तथ्यों पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि इसमें गैरपंजीकृत या अनधिकृत स्थानों पर रुकने वाले पर्यटकों की संख्या शामिल नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरावट यातायात जाम, पार्किंग की समस्या, शिमला के अंदर और आसपास बिना मान्यता वाले रुकने के स्थानों के कारण बनी है। पिछले पांच दशक में पंजीकृत होटलों में पर्यटकों के रुकने की औसत अवधि में 70-80 प्रतिशत गिरावट आई है। एक स्थानीय होटल कारोबारी सुशांत नाग ने बताया कि शिमला-परवाणू राष्ट्रीय राजमार्ग पर गर्मियों में पानी की कमी और भूस्खलन, बारिश के समय दुर्गम यात्रा, फिसलनभरी सड़कों पर भारी यातायात के बीच जिला प्रशासन की ओर से जारी किए जा रहे दिशानिर्देशों से पर्यटक शिमला आने की योजना बनाने के लिए हतोत्साहित होते हैं। कई बार इन कारणों की वजह से वे बुकिंग रद्द कर देते हैं।

**सीएम को दिए जाएंगे सुझाव: टीआईएसएचए के अध्यक्ष**

टीआईएसएचए के अध्यक्ष एमकेसेठ ने कहा कि पूरे साल पर्यटकों को आने और यहां रुकने के लिए प्रेरित करने के लिए संघ एक योजना बना रहा है। मुख्यमंत्री को पर्यटन उद्योग की जमीनी हकीकत से अवगत कराया जाएगा और उन्हें पर्यटकों के अनुकूल माहौल बनाने और शिमला व इसके आसपास के इलाकों में नए आकर्षण तैयार करने के सुझाव दिए जाएंगे।

**पर्यटकों के रुकने का समय घटा: चंदर मोहन**

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के पर्यटन विभाग के प्रमुख चंदर मोहन ने कहा कि सत्तर के दशक की तुलना में इस समय पर्यटकों की आवक कई गुना बढ़ गई है। औसत की बात करें तो जितने अनुपात में पर्यटकों की आवक बढ़ी है, उसी अनुपात में उनके रुकने का समय घटा है। उन्होंने कहा कि इस आंकड़े में कम कीमतों के कारण अनाधिकृत होटलों में रुकने वाले पर्यटकों को नहीं जोड़ा गया है।

# मैं आपकी फ्लाइट में क्यों बैठूं? आपके विमान में बम है, बोर्डिंग के लिए बुलाने पर एयरलाइंस स्टाफ को मिला ये जवाब

गुजरात के सबसे वयस्त सरदार वल्लभभाई पटेल एयरपोर्ट अहमदाबाद पर एक यात्री के अजीबोगरीब जवाब हाईवोल्ट्रेज ड्रामा हुआ। बोर्डिंग के जब एयरलाइंस स्टाफ ने कॉल किया तो जवाब मिला कि आपकी फ्लाइट में बम है, इसके बाद एयरपोर्ट पर अफरा-तफरी मच गई, तमाम एजेंसियों को अलर्ट किया गया और विमान की जांच के साथ तमाम सिक्योरिटी प्रोटोकॉल जारी कर दिए गए।

**अहमदाबाद:** शहर के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर मंगलवार की शाम अजीबोगरीब वाकया सामने आया। एलायंस एयर की फ्लाइट सीडी-698 को सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से शाम साढ़े छह बजे उदयपुर के लिए उड़ान भरनी थी। फ्लाइट की लिए बोर्डिंग शुरू हो चुकी थी। तभी एक बोर्डिंग के लिए बाकी एक यात्री को टिकट बुकिंग के वक्त दिए गए नंबर पर कॉल किया गया था। तो एयरलाइंस के स्टाफ को जवाब मिला कि मैं आपकी फ्लाइट में क्यों बैठूं? आपके विमान में बम है। इसके बाद बोर्डिंग के रोक दिया गया है। आनन-फानन में तमाम एजेंसियों को अलर्ट करके पुलिस और फायर समेत बम डिस्पोजल दस्ते को बुलाया लिया गया। करीब चार घंटे की अफरा-तफरी के बाद पता चला किया। यह एक मजाक था। जिसके चलते फ्लाइट के उड़ान में देरी हुई। इस दौरान यात्रियों में भी डरे और चिंतित दिखाई दिए।

**बाकी थी बोर्डिंग**

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी बताया कि फ्लाइट को शाम 4.50 बजे रवाना होना था। हवाई अड्डे पर ट्रैफिक संबधित दिक्कतों के चलते फ्लाइट के समय में बदलाव हुआ। शाम साढ़े छह बजे जब बोर्डिंग शुरू हुई तो विनीत नोडियाल नाम का शख्स की बोर्डिंग बाकी थी। पंजाब की मीडिया कंपनी में कार्यरत विनीत लंच के लिए एयरपोर्ट के लांज में थे। एयरलाइन के कर्मचारियों ने विनीत की बकिंग डिटेल निकाल कर दिए गए नंबर पर कॉल किया तो कॉल को रिसीव करने वाले शख्स ने कहा कि हम विमान में नहीं चढ़ेंगे, क्योंकि इसमें बम लगाया गया है।